आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 308 | उज्जैन, शनिवार 27 सितम्बर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

किसानों को लाभान्वित करेगी भावांतर योजना-मुख्यमंत्री

सोयाबीन विक्रय का पूरा लाभ लेंगे अन्नदाता 10 अक्टूबर से ई-उपार्जन पोर्टल पर प्रारंभ होंगे पंजीयन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में सोयाबीन उत्पादक किसानों के हित में प्रारंभ की जा रही भावांतर योजना को लागू करने के लिए जिला स्तर पर प्रशासनिक अमले को दायित्व दिए जाएं। इस योजना की विशेषताओं को प्रत्येक स्तर पर प्रचारित किया जाए, जिससे अधिक से अधिक किसानों को इसका लाभ मिले। सांसद, विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधि योजना के प्रचार-प्रसार के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्म का भी उपयोग करें। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अन्नदाताओं की चिंता कर

सोयाबीन को निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूलय 5328 रूपए प्रति क्विंटल निर्धारित की है। मध्यप्रदेश सरकार किसानों को उनके उत्पादन का मूल्य दिलवाने के लिए प्रतिबद्ध है। जिस तरह धान और गेहूं पर किसानों को उनके परिश्रम की कीमत दिलवाने का कार्य किया गया है, उसी तरह सोयाबीन उत्पादक किसानों को भी लाभ दिलवाया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोयाबीन उत्पादक किसानों के लिए लागू की जा रही भावांतर योजना के संबंध में शुक्रवार को समत्व भवन मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा कलेक्टर्स को निर्देशित कर रहे थे। वीडियो कांफ्रेंस में वरिष्ठ विधायक और प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खंडेलवाल भी उपस्थित थे। वीडियो कॉन्फ्रेंस में विभिन्न मंत्री, सांसद, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, संबंधित वरिष्ठ अधिकारी, समस्त कलेक्टर्स-कमिश्नर्स, राजस्व और कृषि विभाग के अधिकारी भी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी कलेक्टर्स किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य दिलवाने के लिए व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। किसी भी स्तर पर गड़बड़ी नहीं होना चाहिए। हितग्राही को सीधा लाभ मिलना चाहिए। सभी के प्रयासों से भावांतर योजना पूर्णता सफल होगी।

10 अक्टूबर से शुरू होंगे पंजीयन-भावांतर योजना के लिए निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार प्रदेश में ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन का कार्य 10 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 25 अक्टूबर 2025 तक चलेगा। भावांतर की अवधि 01 नवम्बर से 2025 से 31 जनवरी 2026 तक रहेगी।

90 हजार की साड़ियां चुराने के आरोप में महिला की पिटाई, दुकानदार गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां पर रविवार को दिनदहाड़े एक महिला पर हमला कर दिया गया। महिला पर 90,000 रुपये की साड़ी चुराने का भी आरोप लगा। मामले में पुलिस ने दुकानदार को गिरफ्तार कर लिया है।

इस पूरे प्रकरण का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। पुलिस ने बताया कि बेंगलुरु के एवेन्यू रोड स्थित एक दुकान में हंपम्मा नाम की एक महिला आई और उसने साड़ी का गुच्छा चुरा लिया। लेकिन वह उसे लेकर भागने में कामयाब नहीं हो पाई।

एनडीटीवी की एक रिपोर्ट में बताया गया कि महिला को साड़ी चुराने के आरोप में दुकानदार ने जमकर पीटा। इस घटना का वीडियो पास में लगे सीसीटीवी में कैद हो गया। सामने आए सीसीटीवी फोटोज में देखा जा सकता है कि दुकान के अंदर खड़ी होकर महिला साड़ियां निकालने की कोशिश करने लगी, इसके बाद साड़ी लेकर वह दुकान से बाहर जाने लगी। इसी दौरान दुकानदार नेमहिला को पकड़ लिया।

गुस्से में आकर दुकानदार ने महिला को सड़क पर घसीटा और पुलिस को सौंपने से पहले उसे कई बार थप्पड़ मारा।

पुरुलिया में मां और तीन बेटियों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, सामने आई वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुर्गा पूजा के पहले पुरुलिया जिला का अंतर्गत बांदोवान थाना क्षेत्र का अंतर्गत लतापाड़ा गांव में मातम छा गया। गुरुवार रात को एक ही परिवार के चार सदस्यों की रहस्यमयी मौत से पूरे इलाके में शोक का माहौल है। एक मां और उसकी तीन बेटियों की मौत की घटना ने एक पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया है। पुलिस के अनुसार, मृतका पिया गड़ाई (30) और उसकी तीन बेटियां बैशाखी गड़ाई (13), पल्लवी गड़ाई (10) और सौरभी गड़ाई (6) हैं।

बताया जा रहा है कि रात को खाने में कोई जहरीला अंश मिलने के कारण ही इन सबकी मौत हुई होगी। पुलिस ने फुड प्वाइजनिंग की आशंका जाहिर की है। स्थानीय लोगों ने बताया कि मृतका पिया का पति आनंद गड़ाई गुरुवार को झारखंड के एक बाजार में सब्जियां बेचने गया था।

रात में जब वह लौटा, तो उसने अपनी पत्नी और बच्चों को बेहोश पड़ा पाया। चारों को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जयपुर में तेज रफ्तार ट्रक ने पैदल यात्रियों को कुचला, दो लोगों की मौत-एक घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि एक तेज रफ्तार डम्पर ट्रक ने दो पैदल यात्रियों को कुचल दिया। इसके हादसे में दोनों की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं ट्रक एक ट्रांसफार्मर से टकरा गया और उसमें आग लग गई। यह घटना गुरुवार को आमेर थाना क्षेत्र के कुंडा गांव के पास हुई। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि पीड़ितों की पहचान शिव कुंडा तलाई निवासी शंकरलाल सैनी (32), ओमप्रकाश सैनी (40) और सोहनलाल (40) के रूप में हुई है। वाहन तीनों को कुछ दूर तक घसीटता हुआ ले गया

पीड़ित अपने घरों के पास एक आटा चक्की के पास खड़े थे, तभी पत्थर लदे एक डम्पर ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि वाहन तीनों को कुछ दूर तक घसीटता हुआ ले गया, फिर एक ट्रांसफार्मर से टकराया और उसमें आग लग गई।

उन्होंने बताया कि शंकरलाल और ओमप्रकाश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सोहनलाल के हाथ और पैर में कई फ्रैक्चर हो गए हैं और उनका इलाज चल रहा है।

गुस्साये स्थानीय लोगों ने किया सड़क जाम- घटना के बाद गुस्साए स्थानीय लोगों ने शवों को सड़क पर रखकर जयपुर-दिल्ली राजमार्ग जाम कर दिया और भारी वाहनों की गति सीमा तय करने की मांग की। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस के हस्तक्षेप के बाद जाम हटा लिया गया।

बंगाल में ऐसी सरकार बने जो सोनार बांग्ला का निर्माण कर पाए, शाह ने कोलकाता में मां दुर्गा से की प्रार्थना

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को यहां उत्तर कोलकाता के प्रसिद्ध संतोष मित्रा स्क्वायर के पूजा पंडाल का उद्घाटन किया, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की थीम पर इस बार अपना पंडाल बनाया है।

इस अवसर पर अपने संक्षिप्त संबोधन में शाह ने कहा कि मैंने मां दुर्गा से प्रार्थना की है कि आगामी विधानसभा चुनाव के बाद बंगाल में एक ऐसी सरकार बने जो सोनार बांग्ला का निर्माण कर पाए।हमारा बंगाल बंगाल का गौरव वापस लौटे और कविगुरु रवींद्र नाथ टैगोर के कल्पना का बंगाल का हम निर्माण कर पाए।

समाज सुधारक ईश्वर चंद्र विद्यासागर को किया याद- शाह ने दुर्गा पूजा की शुरुआत में कोलकाता व आसपास के जिलों में भारी बारिश से हुई तबाही व बिजली के करंट से मारे गए 10 से अधिक लोगों के प्रति भी अपनी संवेदना व्यक्त की। गृह मंत्री ने कहा कि मैं और पूरा भाजपा परिवार पीड़ित परिवार के साथ खड़ा हूं।

शाह ने बंगाल व देश की समग्र जनता को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नवरात्रि में नौ दिन का पूजा उत्सव सिर्फ बंगाल व भारत ही नहीं पूरे विश्व में प्रचारित हुआ है। बंगाल में दुर्गा पूजा की इस महान परंपरा को पूरे विश्व ने स्वीकार किया है। नौ दिन तक बंगाल में हर व्यक्ति शक्ति पूजा में अपने आप को समर्पित कर देते हैं। शाह ने इस अवसर पर शिक्षाविद् व महान समाज सुधारक ईश्वर चंद्र विद्यासागर को भी उनकी जयंती पर याद किया।

जलते अंगारों पर गरबा, नवरात्र में इस वायरल डांस को देखकर इंटरनेट यूजर्स सन्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। नवरात्र के मौके पर गुजरात के गरबा डांस दुनिया भर में मशहूर है। यह नृत्य एक जीवंत और अनूठी सांस्कृतिक छटा बिखेरता है। लेकिन सोशल मीडिया पर इन दिनों मशाल रास लोगों का ध्यान खींच रही है। दरअसल इस डांस में जलते अंगारो पर गरबा करना होता है। इंटरनेट पर मशाल रास का वीडियो वायरल है। यह 73 साल पुरानी परंपरा अपने साहसिक प्रदर्शन के लिए जानी जाती है। कलाकार जलते अंगारों पर नंगे पैर गरबा नृत्य करते हैं।

PM मोदी और पुतिन के बीच फोन कॉल... यूक्रेन युद्ध पर NATO चीफ के दावे को भारत ने ठुकराया

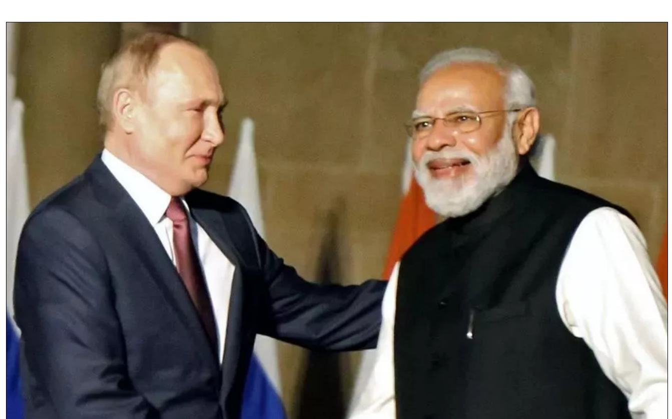

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्रालय ने नाटो चीफ मार्क रूटे की उस टिप्पणी पर कड़ी आलोचना की है जिसमें उन्होंने दावा किया था कि अमेरिकी टैरिफ के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को फोन किया था।

विदेश मंत्रालय ने नाटो चीफ के दावों को तथ्यात्मक रूप से गलत और पूरी तरह से निराधार बताया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने रणधीर जायसवाल ने साफ तौर पर कहा कि, पीएम मोदी और पुतिन से किसी भी समय इस तरह की बात नहीं की जैसा कि दावा किया गया है।

बड़े संगठन के नेता से ज्यादा जिम्मेदारी की उम्मीद- विदेश मंत्रालय- उन्होंने कहा कि, हम इतने बड़े संगठन के नेता से ज्यादा जिम्मेदारी की उम्मीद करते हैं। ये अटकलबाजी और लापरवाही भरी टिप्पणियां हैं। पीएम मोदी ने कभी भी पुतिन से उस तरह की बात नहीं की जैसा कि दावा किया गया है। ये पूरी तरह से अस्वीकार है।

नाटो चीफ ने किया था फोन कॉल का दावा- इससे पहले, नाटो चीफ ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के भारत पर लगाए गए टैरिफ का समर्थन करते हुए कहा था कि इन उपायों का यूक्रेन युद्ध पर पहले ही असर पड़ चुका है। उन्होंने दावा किया कि ट्रंप के इस कदम के बाद पीएम मोदी ने पुतिन के फोन किया और यूक्रेन की योजना के बारे में पूछा।

ऊर्जा आयात संबंधी निर्णय राष्ट्रीय हितों को देखकर लेता है भारत- विदेश मंत्रालय ने रूस तेल आयात पर भारत के रुख दोहराते हुए कहा कि भारत अपने ऊर्जा आयात संबंधी निर्णय राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा को ध्यान में रखकर लेता है।

उन्होंने कहा कि जैसा कि पहले कहा गया है कि भारत का ऊर्जा आयात भारतीय उपभोक्ताओं के लिए किफायती ऊर्जा लागत सुनिश्चित करन के लिए है। भारत अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय करना जारी रखेगा।

क्या चांद की सतह पर लग रही जंग? रिपोर्ट ने वैज्ञानिकों को चौंकाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कुछ प्राकृतिक घटनाएं ऐसी होती हैं, जिन्हें देखने के बाद वैज्ञानिक भी हैरान हो जाते हैं। ऐसी ही एक हालिया रिपोर्ट ने वैज्ञानिकों को परेशान किया है।

दरअसल, सामने आई एक रिपोर्ट में पता चला है कि चांद के ध्रुवीय इलाकों में हीनेटाइट नाम का एक खनिज पाया गया है। इसके सामान्य भाषा में आयरन ऑक्साइड या जंग के नाम से जाना जाता है। इस बीच सभी के मन में सवाल है कि चांद पर ना तो पर्याप्त मात्रा में पानी है और ना ही वहां पर ऑक्सीजन है, ऐसे में वहां जंग कैसे लग सकती है।

जंग के इस रहस्य ने वैज्ञानिकों को किया हैरान- टीओआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, जियोफिजिकल रिसर्च लेटर्स पत्रिका में छपी एक रिपोर्ट ने लोगों को हैरान किया है। हालांकि, सामने आई इस जानकारी ने चांद और धरती के रिश्ते को नए नजरिए से देखने का भी अवसर दिया है। रिपोर्ट के बाद कुछ वैज्ञानिकों ने दावा किया कि धरती के कारण ही चांद पर जंग लगी हैं।

वैज्ञानिक मान रहे हैं कि चांद पर हीमेटाइट बनने की प्रक्रिया की मुख्य वजह धरती की भूमिका हो सकती है। आम तौर पर जंग के लिए ऑक्सीजन और पानी दोनों की आवश्यकता होती है, लेकिन चांद इन संसाधनों की कमी है।

शोध में पाया गया है कि जब चांद अपनी प्रक्रिमा करते हुए धरती की चुंबकीय पूंछ से होकर गुजरता है को पांच दिनों तक सूरज की हवाओं में वह कहीं छिप जाता है। ठीक इसी समय चांद पर सीधा असर डालने वाले कल पृथ्वी से निकलने वाली ऑक्सीजन होती है। इसके वैज्ञानिक भाषा में अर्थ विंड भी कहा जाता है।

वैज्ञानिकों ने लैब में किया ये प्रयोग- जैसे ही ये रिपोर्ट सामने आई, वैज्ञानिकों के मन में कई सवाल खड़े हुए। वैज्ञानिकों ने इस विचार की जांच के लिए लैब में एक अनोखा प्रयोग किया। लैब में वैज्ञानिकों ने ऑक्सीजन और हाइड्रोजन आयनों को तेज गति से लौह-युक्त खनिजों पर डाला। ये खनिज ठीक वैसे ही थे, जो आम तौर पर चांद की सतह पर मिलते हैं। इस दौरान वैज्ञानिकों ने चौंकाने वाला परिणाम पाया।

इस प्रयोग के दौरान जब उच्च एनर्जी वाले ऑक्सीजन कण इन खनिजों से टकराए, तो उनमें हीमेटाइट बनने की प्रक्रिया देखने को मिली। वहीं, इस दौरान हाइड्रोजन के टकराने से यह प्रक्रिया आंशिक रूप से उलटी हो सकती है। इसका मतलब है कि जहां पर ऑक्सीजन जांच पर जंग बनाने में मदद कर रही है, वहीं हाइड्रोजन उसको धीमा करने की क्षमता रख रहा है।

अमेरिका ने कराया सीजफायर, व्हाइट हाउस में मुलाकात के बाद शहबाज ने ट्रंप के दावे को दोहराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान ने हाल ही में माना है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के साथ युद्धविराम कराने में अमेरिका ने उसकी मदद की थी। पाकिस्तान के मुताबिक, शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल सैयद असीम मुनीर ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ जो बातचीत की, उससे पता चलता है कि अमेरिकी नेता ने युद्धविराम की पहल में अहम भूमिका निभाई थी।

पाकिस्तानी बयान में कहा गया है, प्रधानमंत्री मुहम्मद शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल सैयद असीम मुनीर ने आज ओवल ऑफिस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान-भारत युद्धविराम को संभव बनाने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप के साहसिक, साहसी और निर्णायक नेतृत्व की सराहना की और गाजा में संघर्ष को तत्काल समाप्त करने और मध्य पूर्व में शांति बहाल करने के प्रयासों में प्रमुख मुस्लिम विश्व नेताओं को आमंत्रित करने की उनकी पहल की सराहना की।

पाकिस्तानी बयान में कहा गया है, नेताओं ने द्विपक्षीय साझेदारी बढ़ाने पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान के प्रमुख क्षेत्रों में अमेरिकी निवेश को आमंत्रित किया और सुरक्षा एवं खुफिया सहयोग को और बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति ट्रंप को अपनी सुविधानुसार पाकिस्तान की आधिकारिक यात्रा करने का हार्दिक निमंत्रण भी दिया।

9/11 के पीड़ितों का इलाज करने वाला डॉ आनंद को हुई 14 साल की जेल

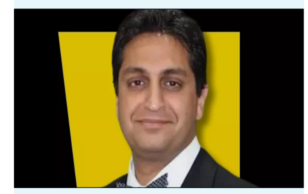

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में भारतीय मूल के 48 वर्षीय डॉक्टर नील के. आनंद को स्वास्थ्य बीमा धोखाधड़ी के मामले में 14 साल की जेल की सजा सुनाई गई है। पेनसिल्वेनिया के इस डॉक्टर ने मरीजों को अनावश्यक दवाओं के बैग्स थमाकर बीमा कंपनियों से 2.4 मिलियन डॉलर (लगभग 20 करोड़ रुपये) से अधिक ऐंठ लिए।

अदालत ने उन्हें 2 मिलियन डॉलर से अधिक की क्षतिपूर्ति और इतनी ही रकम जब्त करने का भी आदेश दिया। आरोप है कि आनंद ने न केवल मरीजों को गैर-जरूरी दवाएं दीं, बल्कि बिना लाइसेंस वाले इंटर्न्स से नियंत्रित दवाओं के लिए प्री-साइन किए गए प्रिस्क्रिप्शन भी लिखवाए।

रिश्तेदार के खाते में डाल दिए इतने पैसे- आनंद ने जांच से बचने के लिए धोखाधड़ी से कमाई गई 1.2 मिलियन डॉलर की राशि को एक रिश्तेदार के खाते में ट्रांसफर कर दिया।

उन्होंने दावा किया कि वह 9/11 हमलों के पीड़ितों का इलाज कर चुके हैं और अमेरिकी नौसेना में चिकित्सक के रूप में सेवा दे चुके हैं, लेकिन जज ने उनकी दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि उनकी हरकतें लालच और अवैध मुनाफे से प्रेरित थीं।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में भीषण सड़क हादसा, एक ही परिवार 11 लोगों की मौत

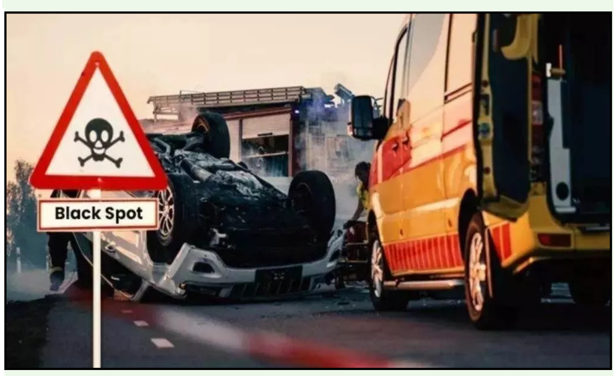

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में गुरुवार रात को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां पर एक भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई।

इस हादसे में तीन लोगों के घायल होने की भी खबर है। पुलिस के अधिकारियों ने इस हादसे के बारे में जानकारी दी है।

कैसे हुआ हादसा- बताया जा रहा है कि यह हादसा उस वक्त हुआ, जब गुरुवार देर रात डेरा इस्माइल खान जिले में हुई जब एक वाहन के ब्रेक फेल हो गए। इसके कारण वाहन एक गड्ढे में जा गिरा। यह वाहन झोब जिले से डेरा इस्माइल खान जा रहा था।

क्या अमेरिका जाते हुए नेतन्याहू को था अपनी गिरफ्तारी का खतरा? अचानक बदल दिया प्लेन का रूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करने के लिए एक असामान्य एयर स्पेस चुना, ताकि यूरोप के उन देशों के हवाई क्षेत्र से बचा जा सके, जहां अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के गिरफ्तारी वारंट के चलते उन्हें हिरासत में लिया जा सकता था।

नवंबर 2024 में आईसीसी ने नेतन्याहू और उनके पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के खिलाफ गाजा में कथित युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोप में वारंट जारी किया था। इसे इजरायल ने सिरे से खारिज किया है।

उनका आधिकारिक विमान ÷विंग्स ऑफ जियोन÷ गुरुवार को यूरोप के अधिकांश हवाई क्षेत्रों से बचते हुए निकल गया। इस रूट पर केवल ग्रीस और इटली के किनारे ही रास्ते में आए। यह मार्ग सामान्य तौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले मध्य यूरोप के रास्ते से लगभग 600 किलोमीटर लंबा था।

आईसीसी वारंट का डर- आईसीसी के सदस्य देशों में से कई देश मसलन आयरलैंड और स्पेन ने स्पष्ट किया है कि वे नेतन्याहू को उनके क्षेत्र में प्रवेश करने पर गिरफ्तार करेंगे।

दूसरी ओर फ्रांस ने कहा कि वह उन्हें हिरासत में नहीं लेगा, जबकि इटली ने इसकी संभावना पर सवाल उठाए। इजरायल ने फ्रांस से हवाई क्षेत्र के उपयोग की अनुमति मांगी थी, हालांकि हमें नहीं पता है।

कोई देश इस सच्चाई से बच नहीं सकता, H-1B वीजा पर जयशंकर ने इशारों में ट्रंप को सुनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा H-1B वीजा को लेकर दिए गए फैसले के बाद विदेश मंत्री जयशंकर ने इस पर टिपण्णी की है। जयशंकर ने कहा कि कई देशों की स्थानीय आबादी अपनी श्रम जरूरतों को पूरा नहीं कर सकती और इसके लिए उन्हें प्रवासी श्रमिकों पर ही निर्भर रहना पड़ता है।

एस. जयशंकर ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने ग्लोबल वर्कफोर्स की वकालत की और कहा कि इससे बचा नहीं जा सकता। जयशंकर ने कहा कि ग्लोबल वर्कफोर्स को कहां रखा जाए, यह राजनीतिक बहस का विषय हो सकता है।

ग्लोबल वर्कफोर्स को बताया महत्वपूर्ण- जयशंकर ने कहा, अगर आप डिमांड और डेमोग्राफी को देखें, तो कई देशों में केवल नेशनल डेमोग्राफी से डिमांड पूरी नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि यह एक सच्चाई है और आप इससे बच नहीं सकते। उन्होंन आगे कहा, हम एक अधिक स्वीकार्य, आधुनिक, कुशल ग्लोबल वर्कफोर्स मॉडल कैसे बना सकते हैं, जो एक ग्लोबल वर्कप्लेस में वितरित हो? जयशंकर ने कहा, मुझे लगता है कि आज इंटरनेशनल इकोनॉमी के सामने यह एक बहुत बड़ा सवाल है। हम बहुत कम समय में टेक्नोलॉजी, ट्रेड, कनेक्टिविटी और वर्कप्लेस के मामले में अलग दुनिया में होंगे। आज के अस्थिर माहौल में बड़े देशों के लिए आत्मनिर्भर बनने की क्षमता बढ़ाना बहुत जरूरी है और भारत में इस पर बहुत ध्यान दिया जा रहा है।

एस. जयशंकर का बयान ऐसे समय में आया है, जब ट्रंप ने ॥-1क्क वीजा की फीस बढ़ाकर 1 लाख डॉलर कर दी है।

ब्रेस्ट सर्जरी ने ली 14 साल की लड़की की जान, घरवालों को बाद में पता चली ये बात; अब हो रही जांच की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेक्सिको से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां पर एक 14 साल की बच्ची बच्ची की कथित तौर पर ब्रेस्ट सर्जरी के बाद मौत हो गई। उसके पिता ने दावा किया है कि इस सर्जरी के बारे में उन्हें जानकारी नहीं दी गई।

दरअसल, द सन की एक रिपोर्ट में बताया गया कि किशोरी की पहचान पालोमा निकोल अरेलानो एस्कोबेडो के तौर पर हुई है। पिता के दावों के बाद मामले में जांच शुरू कर दी गई है।

जानिए पूरा मामला- जानकारी के अनुसार, इस सर्जरी के करीब एक हफ्ते के बाद 20 सितंबर को किशोरी की मौत हो गई। हालांकि, उनके मृत्यु प्रमाणपत्र में मौत की वजह सांस से जुड़ी समस्या को बताया गया है। हालांकि, मृतक किशोरी के पिता का दावा है कि उनकी बेटी की मौत की जिम्मेदार कॉस्मेटिक सर्जरी ही है।

मृतका के पिता कार्लोस का कहना है कि सच्चाई को छिपाने के प्रयास में उसके मृत्यु प्रमाण पत्र में मौत की वजह बीमारी को बताया गया है।

पिता ने यहां तक दावा कर दिया कि उन्हें अपनी बेटी की सर्जरी के बार में अंतिम संस्कार के समय तक नहीं पता था। जब उन्होंने उसके शरीर पर घाव के निशान को देखा और स्तन प्रत्यारोपण देखा, फिर उनका शक गहराया।

अधिकारियों पर पिता ने जताया शक- मृतका के पिता ने अधिकारियों पर भी गहरा शक जताया है। उन्होंने कहा अधिकारियों मृत्यु प्रमाण पत्र तुरंत मुझे दे दिया। मुझे यह नहीं समझ आया कि उन्होंने इतनी जल्दी इसको कैसे बना लिया।

4 हफ्ते में भारत वापस लाओ..., सोनाली बीबी को बांग्लादेश भेजने पर कलकत्ता हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीरभूम जिले की गर्भवती सोनाली बीबी को पति और बेटे के साथ बांग्लादेश भेजने के फैसले को कलकत्ता हाई कोर्ट ने रद कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि उन्हें चार हफ्ते के अंदर देश वापस लाना होगा। केंद्र सरकार ने इस आदेश को फिलहाल रोकने की अपील की थी। यह अपील भी खारिज कर दी गई। सोनाली पर बांग्लादेशी होने का आरोप लगाते हुए उसे पति और बेटे के साथ बांग्लादेश भेज दिया गया था। आरोप है कि वहां उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। सोनाली नौ महीने की गर्भवती है। मामला सामने आने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट को सोनाली का मामला जल्द सुनने का निर्देश दिया था।

चार हफ्ते का दिया गया समय

शुक्रवार को कोलकाता हाई कोर्ट के जस्टिस तापोव्रत चक्रवर्ती और जस्टिस ऋतब्रत कुमार मित्र की खंडपीठ में इस मामले की सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि सोनाली को बांग्लादेश भेजने का फैसला गलत है। केंद्र सरकार को उन्हें तुरंत देश वापस लाना होगा। इसके लिए चार हफ्ते का समय दिया गया है।

बीरभूम के पाइकर की रहने वाली सोनाली काम के सिलसिले में दिल्ली में रहती थी। वह अपने पति दानिश शेख और आठ साल के बेटे के साथ पिछले कुछ सालों से दिल्ली के रोहिणी इलाके के सेक्टर 26 में रह रही थी। वह लगभग दो दशक से राजधानी में कचरा बीनने और घरेलू काम करती थी।

परिवार का दावा है कि 18 जून को दिल्ली के केएन काटजू मार्ग थाने की पुलिस ने उन्हें बांग्लादेशी होने के शक में हिरासत में ले लिया। इसके बाद सोनाली समेत पांच लोगों को बांग्लादेश भेज दिया गया। आरोप है कि वहां बांग्लादेश पुलिस ने उन्हें चांपाईनवाबगंज जिले से गिरफ्तार कर लिया।

अजमेर की सेंट्रल जेल से कैदी फरार, जोधपुर कारागार से किया गया था शिफ्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। अजमेर सेंट्रल जेल की ओपन जेल से सजायाफ्ता बंदी के फरार होने की रिपोर्ट सिविल लाइन्स थाना पुलिस ने दर्ज की है। थानाधिकारी शम्भू सिंह के अनुसार अजमेर सेंट्रल जेल प्रहरी विजय कुमार ने बाडमेर निवासी बाबू खां उर्फ लालू खां नाम के सजायाफ्ता बंदी के ओपन जेल अजमेर से फरार होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

थानाधिकारी ने बताया कि नवाड़ा बेरा पुलिस थाना मंडली जिला बाड़मेर का रहने वाला बाबू खां सेशन न्यायालय के आदेश पर जोधपुर जेल में था। जहां से उसे गत 23 सितम्बर 25 को अजमेर के ओपन जेल में रखने के आदेश हुए थे। बंदी को अजमेर ओपन जेल में शिफ्ट कर दिया गया।

24 सितम्बर को बंदी की सुबह हाजिरी हुई। जैसा कि सुबह के हाजिरी के बाद ओपन जेल का बंदी काम कर मजूरी के लिए जाते हैं चला गया था किन्तु शाम को हाजिरी के समय बंदी उपस्थित नहीं हुआ। इस अवस्था में जेल प्रहरी विजय कुमार ने सिविल लाइन्स पुलिस को लिखित सूचना दी है जिस पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी बंदी की तलाश शुरू कर दी गई है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुई अरुणाचल प्रदेश में पीएम मोदी का स्वागत करने वाली IAS अधिकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को अरुणाचल प्रदेश के दौरे पर थे। वे पूर्वोत्तर राज्य के पापुम पारे जिले पहुंचे। यहां उनका स्वागत एक महिला सिविल सेवा अधिकारी विशाखा यादव ने किया।

इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी का अभिवादन करती इस अधिकारी की तस्वीरें वायरल हो गईं और लोग इस अधिकारी के बारे में गूगल करने लगे।

आईएएस विशाखा ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ÷राज्य के दौरे पर आए प्रधानमंत्री का पापुमपारे जिले में गर्मजोशी से स्वागत करने का अवसर पाकर गर्व महसूस कर रही हूं।

कौन हैं विशाखा यादव- विशाखा यादव भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी हैं। वह वर्तमान में अरुणाचल प्रदेश के पापुम पारे जिले में उपायुक्त के पद पर तैनात हैं। विशाखा ने प्रधानमंत्री का अभिवादन करते हुए अपनी तस्वीरें शेयर कीं और कहा कि पापुम पारे में उनका गर्मजोशी से स्वागत करने का अवसर पाकर उन्हें गर्व महसूस हो रहा है।

आईएएस विशाखा यादव ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) परीक्षा की तैयारी के लिए अपनी नौकरी छोड़ दी। बिना किसी कोचिंग की मदद के उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर छठी रैंक हासिल की थी।

अजमेर दरगाह में सीसीटीवी कैमरे लगाने के आदेश, विरोध करने पर होगी कानूनी कार्यवाही

नई दिल्ली (एजेंसी)। अजमेर जिला सिविल न्यायाधीश मनमोहन चंदेल ने अजमेर स्थित ख्वाजा साहब की दरगाह में सभी वांछित स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने और जो लोग इसका विरोध कर रहे हो उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही अमल में लाने के आदेश दिए हैं।

सिविल न्यायाधीश मनमोहन चंदेल के इस आदेश को साहसिक और सराहनीय बताया जा रहा है। दरअसल यह सिर्फ आदेश नहीं अपितु दरगाह में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने पर अब अदालत की भी मुहर लग गई है। पिछले दिनों केंद्र सरकार के अधीन काम करने वाली दरगाह कमेटी ने प्रयास किए थे कि दरगाह के अंदर जायरीन की भीड़ वाले सभी स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाए, लेकिन तब दरगाह के खादिमों ने आस्ताना सहित कई स्थानों पर कैमरे लगाने का विरोध किया। लेकिन अब खादिमों के आपसी विवाद के एक मामले में सिविल न्यायाधीश मनमोहन चंदेल ने दरगाह के अंदर जरूरी स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के आदेश दिए हैं।

अदालत ने यह भी कहा है कि यदि कोई व्यक्ति कैमरे लगाने का विरोध करता है तो उसके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्यवाही की जाए।

क्या लगा आरोप- असल में दरगाह के खादिम शेखजादा नदीम अहमद चिश्ती, खलिक अहमद चिश्ती, नईम अहमद चिश्ती और शेख असरार अहमद चिश्ती ने एक वाद अपने साथी खादिम सैयद शब्बीर अली चिश्ती के खिलाफ दायर किया। इस वाद में शब्बीर अली पर उनके हकों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। इस प्रकरण में जब सिविल न्यायाधीश मनमोहन चंदेल ने पुलिस से दरगाह के अंदर का रिकॉर्ड तलब किया तो पुलिस ने असमर्थता प्रकट की।

पुलिस का कहना रहा कि दरगाह के अंदर खास कर आस्ताना (मजार शरीफ) का कोई रिकॉर्ड नहीं रहता। यह खादिमों का आपसी मामला है।

शेखर ज्योति गोस्वामी को पुलिस ने हिरासत में लिया, जुबीन गर्ग की मौत के समय थे सिंगर के साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिंगर जुबीन गर्ग की मौत के सिलसिले में पुलिस ने संगीतकार शेखर ज्योति गोस्वामी को हिरासत में लिया है। पूर्वोत्तर भारत महोत्सव में भाग लेने के लिए सिंगापुर गए जुबीन की 19 सितंबर को तैराकी के दौरान हुई दुर्घटना में मौत हो गई थी।

शेखर गोस्वामी कथित तौर पर दुर्घटना के समय वहीं मौजूद थे, जब जुबीन की मौत हुई थी। असम पुलिस की स्पेशल इनवेस्टिगेशन टीम में उन्हें उसी दिन हिसारत में ले लिया जिस दिन जांच टीम ने पूर्वोत्तर भारत महोत्सव को आयोजक श्यामकानु महंत और जुबीन गर्ग के मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा के आवासों पर छापा मारा था।

कौन हैं शेखर ज्योति गोस्वामी- शेखर ज्योति गोस्वामी एक ड्रमर हैं जो लंबे समय से जुबीन गर्ग के साथ बैंडमेट थे। उनकी इंस्टाग्राम बायो के मुताबिक, वह एक साउंड इंजीनियर, म्यूजिक कंपोजर और कंप्यूटर हार्डवेयर इंजीनियर भी हैं। शेखर सिंगापुर में जुबीन गर्ग के अंतिम क्षणों में उनके साथ मौजूद थे। उन्होंने दावा किया कि जुबीन गर्ग पानी ने तैरने के लिए उतरे थोड़ी देर में उनका शरीर पानी के ऊपर तैर रहा थी और मुंह पानी के अंदर था, जिसके बाद वे जुबीन के पास गए तो देखा कि उनके मुंह और नाक से सफेद तरल पदार्थ निकल रहा था।

जुबीन गर्ग की मौत की जांच एसआईटी का गठन- जुबीन गर्ग की मौत की जांच के लिए असम सरकार ने 10 सदस्यीय एसआईटा का गठन किया है, जिसका नेतृत्व सीआईडी के स्पेशल डीजीपी मुन्ना प्रसाद गुप्ता कर रहे हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि अगर एसआईटी जांच असंतोषजनक पाई जाती है तो राज्य सरकार सीबीआई जांच की सिफारिश करेगी।

उन्होंने कहा कि सिंगापुर में असम एसोसिएशन के सदस्यों और पूर्वोत्तर भारत महोत्सव के आयोजकों सहित जुबीन गर्ग के साथ आए सभी लोगों से एसआईटी पूछताछ करेगी।

मांदर की थाप पर जीवंत होती संस्कृति, लोकगायिका रेखा देवार ने राष्ट्रीय मंचों पर दिलाई पहचान

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक परंपराओं को नई ऊर्जा और पहचान दिलाने वाली लोकगायिका रेखा देवार ने अपनी कला से एक अलग ही छाप छोड़ी है। मांदर की थाप पर गाए उनके गीत सिर्फ सुरों का संगम नहीं, बल्कि संस्कृति की जीवंत गूंज हैं।

वर्ष 1984 में 'नवा अंजोरी लोक कला सांस्कृतिक मंच' से जुड़कर उन्होंने लोककला को गांव की गलियों से निकालकर देश के प्रतिष्ठित मंचों तक पहुंचाया। चार हजार से अधिक प्रस्तुतियों के साथ रेखा देवार ने यह साबित किया है कि लोककला केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि वर्तमान की जीवंत सांस है।

कौन हैं रेखा देवार- रेखा देवार मुंगेली जिले की निवासी है। वे घुमंतू समुदाय की देवार जाति से आती है। बचपन में गरीबी के बावजूद उन्होंने सात साल की उम्र में अपने नाना-नानी के साथ गांव-गांव घूमकर गाना शुरू किया। उनकी प्रतिभा पर ध्यान देने वाले पहले व्यक्ति थे गुरु विजय सिंह, जिनसे उन्होंने भरथरी गाने की कला सीखी। इसके बाद उन्होंने देवार परंपरा के गीतों को गाने का प्रशिक्षण लिया।

ददौरी में वेदराम देवार और मांदर के सुप्रसिद्ध कलाकार स्व. झुमुकराम देवार से शिक्षा ली। विजय से विवाह उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ था। उन्होंने विजय सिंह के साथ दिल्ली, जयपुर, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों में अपनी प्रस्तुतियां दीं। रेखा का कहना है कि उनका पूरा जीवन संगीत के लिए समर्पित है और विजय सिंह ने ही उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया। चार साल पहले रेखा ने अपने पति को खो दिया। उनकी मृत्यु से पहले, उन्होंने रेखा से कहा था, मैं मर भी जाऊं, तो हमेशा हंसती रहना, संगीत मत छोड़ना। यह वचन रेखा के लिए प्रेरणा का स्रोत बना है।

दैनिक हिन्दकुश
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
hindkush.in
24x7 News portal
हिन्दकुश
info@hindkush.in
jagrayam.com
online news magazine
जागृयाम
info@jagrayam.com

हिन्दकुश
हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल षष्ठमी

संपादकीय

जिस मानवीय कुनबे में शिशु का जन्म होता है वहां खुशियों की बहार छा जाती है...

कुदरत द्वारा बनाई इस अनमोल खूबसूरत सृष्टि में कुदरत की अनमोल कलाकृति मानवीय जीव के रूप में सृजित हुई और जिस मानवीय कुनबे में शिशु का जन्म होता है वहां खुशियों की बहार छा जाती है ऐसा सदियों से हजारों वर्षो से होता आया है और वर्तमान काल में भी हो रहा है। इस संसार में मृत्य अटल सत्य है जिसने भी जन्म लिया है उसकी मृत्यु निश्चित है। लेकिन लोगों के मन हमेशा एक सवाल उठता है कि आखिर मौत के बाद क्या होता है। अगर आत्म होती है, तो कहां जाती है। मौत के बाद मनुष्य का शरीर शिथिल हो जाता है। इस पर पहले कई शोध हुए हैं जो अभी भी जारी है। प्रकृति के कई अनसुलझे रहस्य हैं जिसे सुलझाना अभी भी बाकी है। उन्हीं में से एक है आत्मा और मौत। जब किसी मानवीय जीव की मृत्यु हो जाती है तो आदि अनादि काल से यह भी सच है कि उसी कुनबे में अति संवेदनशील दुखों का पल छा जाते हैं और उनका कुनबा यह सोचने पर मज़बूर हो जाता है कि आखिर ऐसा क्या इस शरीर में से निकल गया जो यह शरीर निर्जीव हो गया जो आज के वर्तमान परिपेक्ष में भी एक अनसुलझा रहस्य बना हुआ है! जिसके विज्ञान, विशेषज्ञों, जानकारों के अलग अलग तर्क दिए गए हैं परंतु हमारे बड़े बुजुर्गो और आध्यात्मिकता में यह ईश्वर अल्लाह की देन है और कहा गया है कि हम मानवीय जीव उसके हाथ के बने खिलौने हैं जिनका वह जीवन फिक्स कर देता है और समय आने पर उसे तोड़ देता है याने मृत्यु !आदि अनादि कहां से बुजुर्गों आध्यात्मिकता व कहावतों द्वारा यह कहा जाता है कि मनुष्य जब जन्म लेता है तो उसके मस्तक पर उसके पूरे जीवन की भविष्य रेखा लिखी रहती है और वह रेखा समाप्त होते ही उसकी मृत्यु हो जाती है,परंतु आधुनिक प्रौद्योगिकी युग में मनुष्य या कोई भी जीव मृत देह में कैसे बदल जाता है विज्ञान इस सवाल से निरंतर जूझ रहा है।

साथियों बात अगर हम मृत्यु की करें तो यह नाम सुनते ही दिल दहल जाता है, कांप जाता है। जिस तरह हमने कोरोना महामारी कॉल की पीक़ स्थिति में मृत्यु का तांडव देखे, तो दिल पसीज़ गया था। हमनें फिल्म उद्योग की पुरानी फिल्म पुष्पांजलि का दर्द भरा गीत, दुनिया से जाने वाले, जाने चले जाते हैं कहां, कैसे ढूंढे कोई उनको नहीं होते नामोनिशान और चिट्ठी न कोई संदेश, ना जाने कौन सा देश, जहां तुम चले गए सुनें होंगे जो दुखों के पलों में अक्सर याद आते हैं। हालांकि इन गीतों से भी वही प्रश्न गूंज रहा है कि आखिर मानवीय शरीर में से ऐसा क्या निकल जाता है और कहां चला जाता है जो शरीर निर्जीव हो जाता है! उसका रहस्य आज भी अनसुलझा है! और मेरा मानना है कि शायद कभी सुल्झेगा भी नहीं चाहे कितना भी प्रौद्योगिकी विज्ञान का उपयोग किया जाए?

साथियों बात अगर हम मृत्यु की करें तो, मृत्यु शब्द नही बल्कि, मीडिया में जानकारी के अनुसार, मृत्यु एक परम पवित्र मंगलकारी देवी है। सामान्य भाषा मे किसी भी जीवात्मा अर्थात प्राणी के जीवन के अन्त को मृत्यु कहते हैं। मृत्यु सामान्यतः वृद्धावस्था, लालच, मोह,रोग कुपोषण के परिणामस्वरूप होती है।मुख्यतया मृत्युके 101 स्वरूप होते है, लेकिन मुख्य 8 प्रकार की होती है। जिसमे बुढ़ापा, रोग, दुर्घटना, अकस्मती आघात, शोक,चिंता, और लालच मृत्यु के मुख्य रूप है।

साथियों बात अगर हम विज्ञान विशेषज्ञों, जानकारों की करें तो उनका अलग-अलग तर्क है, हालांकि विज्ञान के अनुसार, मृत्यु का अर्थ है जीवित प्राणी के शरीर की सभी जैविक प्रक्रियाओं का समाप्त हो जाना।

विश्व पर्यटन दिवस

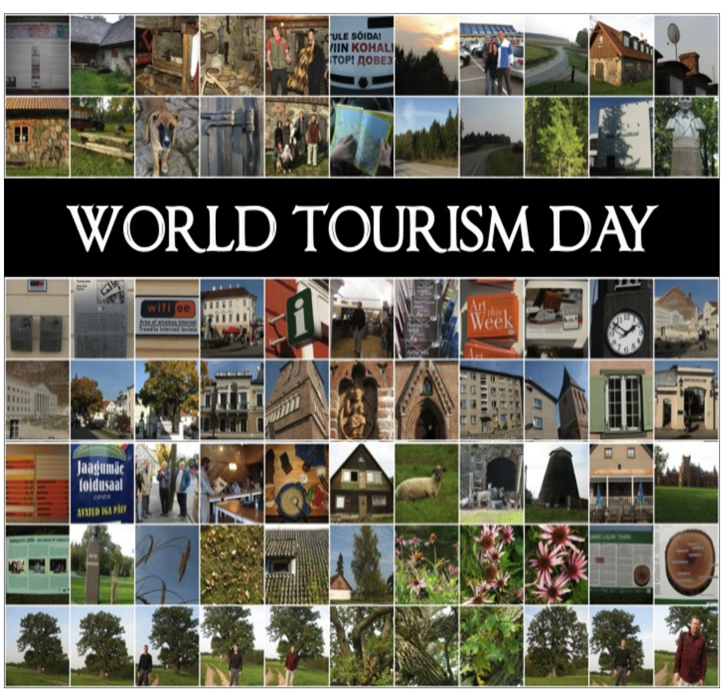

विश्व पर्यटन दिवस हर साल 27 सितंबर को मनाया जाता है। विश्व में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 1980 से संयुक्त राष्ट्र महासभा ने विश्व पर्यटन दिवस आयोजित करने की शुरुआत 27 सितंबर को की थी, तब से आज तक निरंतर विश्व पर्यटन दिवस सभी विश्व के संगठन के देश मनाते चले आ रहे हैं।

उद्देश्य

विश्व पर्यटन दिवस के लिए 27 सितंबर का दिन चुना गया, क्योंकि इसी दिन 1970 में विश्व पर्यटन संगठन का संविधान स्वीकार किया गया था। संयुक्त राष्ट्र महासभा हर साल विश्व पर्यटन दिवस की विषय-वस्तु तय करती है। विश्व पर्यटन दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य पर्यटन और उसके सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक व आर्थिक मूल्यों के प्रति विश्व समुदाय को जागरूक करना है। विश्व पर्यटन दिवस का मुख्य उद्देश्य पर्यटन को बढ़ावा देना और पर्यटन के द्वारा अपने देश की आय को बढ़ाना है। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर एक राष्ट्र को मेज़बान राष्ट्र घोषित किया जाता है जो कि जीवोग्राफिकल आर्डर पर होता है। विश्व पर्यटन दिवस का मेज़बान 2006 में यूरो, 2007 में दक्षिण एशिया, 2008 में अमेरिका और 2009 में अफ्रीका को बनाया गया था। इस तरह पूरे विश्व के देशों में पर्यटन को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। जिनमें सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक और आर्थिक कार्यक्रम शामिल हैं।

योजनाएँ

भारत के प्रति विश्व के पर्यटकों की संख्या देश में निरंतर आई आर्थिक मंदी एवं ताज बम काण्ड जैसे धमाके होने के बावजूद कम नहीं हुई है। भारत में विदेशी सैलानियों को आकर्षित करने के लिए विभिन्न शहरों में अलग-अलग योजनाएँ लागू की गयीं हैं। पर्यटन उद्यम की आय में देश में क़ायम शांति से बढ़ावा हुआ है और इससे जुड़े उद्यम समूहों में होटल समूह की तादाद काफ़ी है।

पैलेस ऑन व्हील्स

पैलेस ऑन व्हील्स को देश की शाही सैलानी रेलगाड़ी का तीसरा हॉस्पिटेलिटी इंडिया इंटरनेशनल अवार्ड दिया गया है। राजस्थान पर्यटन विकास निगम का यह पहियों पर राजमहल दुनिया के पर्यटन मानचित्र पर भारत का नाम रोशन करने वाला माना गया है। अब एक और पैलेस ऑन व्हील्स शुरू किए जाने की योज़ना है। इसमें पर्यटकों के लिए पहली से भी ज़्यादा सुख-सुविधाऐं होंगी।

अतुल्य भारत अभियान

भारतीय पर्यटन विभाग ने सितंबर 2002 में अतुल्य भारत नाम से एक नया अभियान शुरू किया था। इस अभियान का उद्देश्य भारतीय पर्यटन को वैश्विक मंच पर बढ़ावा करना था। सरकार और एक्सपीरियेंस इंडिया सोसायटी ने शुरुआती चरण के पहले तीन माह का खर्च वहन किया था। यह संस्था ट्रैवेल एजेंट्स से जुड़ी हुई है। इस अभियान के तहत हिमालय, वन्य जीव, योग और आयुर्वेद पर अंतर्राष्ट्रीय समूह का ध्यान खींचा गया। देश के पर्यटन क्षेत्र के लिए इस अभियान से संभावनाओं के नए द्वार खुले हैं।

देश की पर्यटन क्षमता को विश्व के समक्ष प्रस्तुत करने वाला अपने किस्म का यह पहला प्रयास था। पर्यटन के क्षेत्र में विकास इसके पहले राज्य सरकारों के अधीन हुआ करता था। राज्यों में समन्वय के स्तर पर भी बहुत थोड़े प्रयास दिखते थे। देश के द्वार विदेशी सैलानियों के लिए खोलने का काम यदि सही और सटीक विपणन ने किया तो हवाई अड्डों से पर्यटन स्थलों के सीधे जुड़ाव ने पर्यटन क्षेत्र के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज सैलानी पर्यटन के लिहाज़ से सुदूर स्थलों की सैर भी आसानी से कर सकते हैं। निजी क्षेत्रों की विमान कंपनियों को देश में उड़ान भरने की इजाज़त ने भी महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की है।

उल्लेखनीय प्रगति

भारत में केवल गोवा, केरल, राजस्थान, उड़ीसा और मध्यप्रदेश में ही पर्यटन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति नहीं हुई है, बल्कि उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, झारखंड, आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ के पर्यटन को भी अच्छा लाभ पहुँचा है। हिमाचल प्रदेश में पिछले वर्ष 6.5 मिलियन पर्यटक गए थे। यह आंकड़ा राज्य की कुल आबादी के लगभग बराबर बैठता है। इन पर्यटकों में से 2.04 लाख पर्यटक विदेशी थे। आंकड़ों के लिहाज़ से देखें तो प्रदेश ने अपेक्षा से कहीं अधिक सफल प्रदर्शन किया।

ख़ूबियाँ

भारत विश्व के पाँच शीर्ष पर्यटक स्थलों में से एक है। विश्व पर्यटन संगठन और वर्ल्ड टूरिज्म एण्ड ट्रैवल काउन्सिल तथा पर्यटन के क्षेत्र में अग्रणीय संगठनों ने भारतीय पर्यटन को सबसे ज़्यादा तेज़ी से विकसित हो रहे क्षेत्र के रूप में बताया है। भारतीय पर्यटन की कुछ ख़ूबियाँ इस प्रकार हैं- कोन्डे नास्त ट्रैवलर पुस्तिका के पाठकों के अनुसार कि भारत का स्वास्थ्यवर्धक विश्व के सर्वश्रेष्ठ स्वास्थ्यवर्धक स्थलों में से एक है।

विश्व पर्यटन संगठन ने भारतीय पर्यटन को सर्वाधिक तेज़ी से यानि 8.8 फ़ीसदी वार्षिक की दर से विकसित हो रहे उद्योग के रूप में घोषित किया है।

पर्यटन देश का तीसरा सबसे बड़ा विदेशी मुद्रा अर्जित करने वाला उद्योग है। 2004 में पर्यटन से 21 हज़ार करोड़ रुपए से भी अधिक की आय हुई।

देश की कुल श्रम शक्ति में से 6 प्रतिशत को पर्यटन में रोज़गार मिला हुआ है। पर्यटन उद्योग की सबसे बड़ी ख़ूबी यह है कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोज़गार के अवसर पैदा हुए हैं।

भारत के विशाल तथा ख़ूबसूरत तटीय क्षेत्र, अछूते वन, शान्त द्वीप समूह, वास्तुकला की प्राचीन, ऐतिहासिक तथा सांस्कृतिक परम्परा, रंगमंच तथा कलाकेन्द्र पश्चिम के पर्यटकों के लिए ख़ूबसूरत आकर्षण के केन्द्र बन सकते हैं। विदेशी पर्यटकों के प्रति आत्मीयता दर्शाने के लिए सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम अतिथि देवो भव- शुरू किया गया है।

भारतीयों लिए बड़ी खुशखबरी, 3500 चीनियों को निकाल अब भारत में 1000 लोगों को नौकरी देगी ये अमेरिकी कंपनी

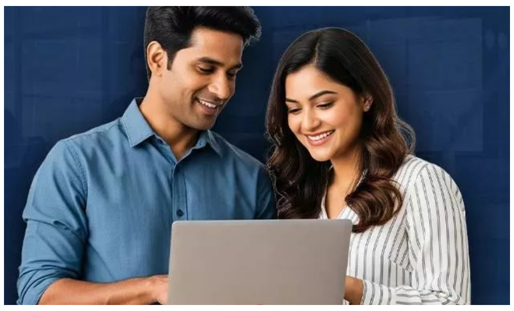

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के दिग्गज कंपनी सिटीग्रुप भारत में लगभग 1000 को नौकरी पर रखने वाली है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार ग्रुप ने अपने चीनी केंद्रों से लगभग 3,500 लोगों का लेऑफ किया था। अब उसकी भरपाई के लिए ग्रुप भारत के केंद्रों में लगभग 1 हजार लोगों की भर्ती करेगा। कंपनी साल की शुरुआत में जोखिम और डेटा प्रबंधन में सुधार के लिए वैश्विक तकनीकी परिचालन को सरल और छोटा करने के वैश्विक प्रयास के तहत अपने चीनी केंद्रों से नौकरी की कटौती की थी।

रिपोर्ट के अनुसार अब कंपनी भारतीय सपोर्ट सेन्टर्स को अधिक काम भेजेगी। यह सब ऐसे समय में हो रहा है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नए एच-1बी वीजा आवेदनों पर 100,000 (लगभग 88 लाख रुपये) का भारी शुल्क लगाया है। विशेषज्ञों के अनुसार, इससे वॉल स्ट्रीट बैंक भारतीय वैश्विक क्षमता केंद्रों पर अधिक निर्भर हो सकते हैं और नई भूमिकाओं के लिए अधिक स्थानीय लोगों को नियुक्त कर सकते हैं।

सिटीग्रुप के लिए भारत है पसंदीदा स्थान- ब्लूमबर्ग के अनुसार, सिटीग्रुप पहले से ही भारत में लगभग 33,000 लोगों को रोजगार देता है, जिनमें से अधिकांश बेंगलुरु, चेन्नई, पुणे और मुंबई जैसे शहरों में स्थित जीसीसी में कार्यरत हैं।

चीन में नौकरियों में कटौती की घोषणा करते हुए, सिटीग्रुप ने कहा कि इन पदों को उसके अन्य टेक्निकल केंद्रों में ट्रांसफर किया जाएगा। हालांकि, ग्रुप ने ये नहीं बताया कि किन केंद्रों में इन पदों को ट्रांसफर किया जाएगा। जून में रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में बताया गया था कि बैंक ने अपनी वैश्विक पुनर्गठन योजना के तहत अमेरिका, इंडोनेशिया, फिलीपींस और पोलैंड में भी नौकरियों में कटौती की है। नवीनतम रिपोर्टों से पता चलता है कि भारत इन पदों के लिए एक पसंदीदा स्थान के रूप में उभर सकता है।

भारत में 1760 ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर- नैसकॉम के अनुसार, भारत में वर्तमान में लगभग 1760 वैश्विक क्षमता केंद्र हैं, जिनकी संख्या अगले वर्ष तक 2,000 से अधिक होने की उम्मीद है। एक अनुमान के अनुसार इस उद्योग का बाजार आकार, जो वर्तमान में 64 अरब डॉलर है, 2030 तक 110 अरब डॉलर तक पहुँच सकता है।

इन राज्यों के किसानों को मिली राहत, समय से पहले 27 लाख खातों में आए पैसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम किसान योजना के तहत सरकार ने लाखों किसानों को बड़ी राहत दी है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने देश के तीन राज्यों के किसानों के लिए किस्त जारी कर दी है। इसके तहत 27 लाख किसानों के खाते में 540 करोड़ से ज्यादा की राशि भेजी गई है।

इनमें वे राज्य शामिल है, जिन्हें कुछ समय पहले भरी बाढ़ का सामना करना पड़ा था।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएम किसान की ऑफिशियल वेबसाइट से एक पोस्ट साझा हुई है। इस पोस्ट के जरिए सरकार ने सभी लाभार्थियों को ये सूचित किया गया है कि सरकार की ओर से उत्तराखंड, पंजाब और हिमाचल के किसानों को पीएम किसान योजना के तहत मिलने वाली किस्त जारी कर दी गई है। अब जानते हैं कि किन राज्यों के किसानों को कितना पैसा मिला।

उत्तराखंड- पीएम किसान योजना के तहत उत्तराखंड के 7 लाख किसानों को 157 करोड़ रुपये से ज्यादा दिए गए है।

हिमाचल प्रदेश- हिमाचल प्रदेश के 8 लाख से ज्यादा किसानों को 160 करोड़ रुपये से ज्यादा मिले हैं।

पंजाब- वहीं पंजाब लगभग 12 लाख किसानों को अनुमानित 223 करोड़ रुपये दिए गए हैं।

अगर आप इन लाभार्थियों की लिस्ट में शामिल है, तो अपना स्टेटस के जरिए ये पता लगा सकते हैं कि आपको पैसे मिले या नहीं।

HAL को मिले 62370 करोड़ रुपये के ऑर्डर से किन कंपनियों को बड़ा फायदा, इन स्टॉक से कमाई का मौका!

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ 62,370 करोड़ का बड़ा रक्षा सौदा किया है, जिसके तहत 97 हल्के लड़ाकू विमान तेजस Mk-1A बनाए जाएंगे।

यह सौदा स्वदेशी रक्षा उत्पादन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकेत देता है और इससे न केवल HAL, बल्कि कई अन्य घरेलू कंपनियों को भी सीधा लाभ मिलेगा।

यह विमान लगभग 64% स्वदेशी तकनीक से लैस होंगे, जिनमें UTTAM AESA रडार, स्वयं रक्षा कवच, और कंट्रोल सरफेस एक्ट्यूएटर्स जैसी उन्नत भारतीय प्रणालियाँ शामिल हैं।

इस प्रोजेक्ट में करीब 105 भारतीय कंपनियां कंपोनेंट्स की सप्लाई करेंगी और आने वाले 6 सालों तक सालाना करीब 11,750 लोगों को रोजगार मिलेगा। HAL की ऑर्डर बुक अब 2,51,600 करोड़ तक पहुंच गई है, जो कि FY25 के अनुमानित रेवेन्यू का 8.1 गुना है।

इस ऑर्डर से मुख्य रूप से किन कंपनियों को लाभ

BEL (रडार और इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम्स)

BDL (मिसाइल सिस्टम्स)

Astra Microwave (रडार सबसिस्टम्स और RF कंपोनेंट्स)

HAL पर 5570 का टारगेट प्राइस- चॉइस इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज के रक्षा एवं एयरोस्पेस विश्लेषक पुष्णा रवि कुमार के अनुसार, भले ही GE इंजनों की आपूर्ति में कुछ देरी हो रही है, लेकिन रक्षा मंत्रालय द्वारा Mk-1A ऑर्डर को आगे बढ़ाना भारतीय निर्माण क्षमताओं में गहरी विश्वास को दर्शाता है। यह न केवल HAL के लिए, बल्कि संपूर्ण रक्षा इकोसिस्टम के लिए सकारात्मक संकेत है।

उन्होंने आगे कहा कि यह ऑर्डर घरेलू रक्षा कार्यक्रमों की दीर्घकालिक स्थिरता को मजबूत करता है और पूरे रक्षा सेक्टर में सकारात्मक माहौल बनाएगा।

सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट, बाजार में क्यों आई बिकवाली, ये कारण रहे जिम्मेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में 5 दिनों से जारी गिरावट 26 सितंबर को 6वें दिन और गहरा गई है। बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी और सेंसेक्स, दोनों एक फीसदी तक गिरे। ऐसे में लाखों निवेशकों की चिंता और बढ़ गई है। सवाल है कि सप्ताह के आखिरी कारोबारी सत्र पर मार्केट में इतनी बड़ी गिरावट क्यों आई? इसकी 3 बड़ी वजह हैं जिनके चलते बाजार में बिकवाली हावी है। निफ्टी 50 करीब एक फीसदी (0.95%) टूटकर 2465 4.70 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, सेंसेक्स 732.22 प्वाइंट गिरकर 80426.46 के लेवल पर बंद हुआ। बाजार की गिरावट का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि सभी सेक्टर्स में बिकवाली हावी है। मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स 2 फीसदी तक टूट गए हैं। वहीं, आईटी, ऑटो, पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, मेटल, मीडिया और एनर्जी भी 2 से डेढ़ प्रतिशत तक टूटे हैं।

बाजार में गिरावट की ये 3 बड़ी वजहें- फार्मा शेयरों पर ट्रंप का नया टैरिफ- भारतीय शेयर बाजारों का मूड 26 सितंबर को अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस ऐलान के बाद बिगड़ा है, जिसमें उन्होंने ब्रांडेड व पैटेंड फार्मा प्रोडक्ट्स पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान किया है।

इसके चलते निफ्टी फार्मा इंडेक्स 2.5% लुढ़क गया, और इसके सभी 20 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई।

रतन टाटा के जाने के बाद 4 साल के सबसे खराब हालत में पहुंची TCS

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयरों में गिरावट का दौर जारी है। शुक्रवार को शेयर में 1.76% की गिरावट के साथ बंद हुआ।

अब यह अपने 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर से करीब 36% नीचे पहुंच गया है। यह गिरावट केवल कंपनी तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे आईटी सेक्टर को प्रभावित कर रही है, जो इस समय वैश्विक आर्थिक दबावों, रेगुलेटरी अनिश्चितता और भू-राजनीतिक तनावों से जूझ रहा है।

टेक्निकल पर भी, TCS के शेयर ने ओवरसोल्ड जोन में एंट्री कर लिया है, जहां इसका रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स गिरकर 42.80 के स्तर पर पहुंच गया है।

अमेरिकी नीति और व्यापार तनाव बढ़ा रहे दबाव- TCS के लिए सबसे बड़ी चिंता अमेरिका की नई वीजी नीति है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने H-1B वीजा के लिए 100,000 सालाना फीस लगाने का प्रस्ताव पास किया है।

यह नीति अब मास रिक्रूटमेंट को हतोत्साहित कर रही है और उच्च कौशल वाले पेशेवरों को प्राथमिकता दे रही है। चूंकि TCS जैसी भारतीय कंपनियां अमेरिका में ऑनशोर प्रोजेक्ट्स को पूरा करने के लिए H-1B वीजा पर निर्भर हैं, यह बदलाव ऑपरेशनल लागत बढ़ा सकता है और उनकी प्रोजेक्ट डिलीवरी क्षमताओं को प्रभावित कर सकता है।

इसके अलावा, ट्रंप सरकार के लगाए गए नई व्यापारिक टैरिफ ने भी बाजार में अनिश्चितता बढ़ाई है, जिससे रिस्क-ऑफ मूड पैदा हुआ है और निवेशकों की धारणा पर असर पड़ा है।

IT सेक्टर की मौजूदा सुस्ती की पुष्टि हाल ही में एक्सेंचर के तिमाही नतीजों से भी हुई है। एक्सेंचर ने कमजोर ग्रोथ आउटलुक दिया है, जिससे संकेत मिलता है कि बड़े आईटी प्रोजेक्ट्स और डिस्क्रेशनरी खर्चों की मांग अब भी धीमी बनी हुई है।

इसी के चलते Citi और Jefferies जैसे ब्रोकरेज हाउसेज ने भारतीय आईटी कंपनियों के लिए आने वाले वर्षों में तेज ग्रोथ की संभावना कम बताई है।

सीमित बजट तो सीमित उम्मीदें- TCS जैसे कुछ कंपनियों के लिए फाइनेंशियल सर्विसेज वर्टिकल अभी भी एक मजबूत सेगमेंट बना हुआ है, लेकिन समग्र माहौल अब भी नकारात्मक है।

5 रुपए का बिस्किट अब 4.47 और 2 वाला शैंपू 1.77 का

नई दिल्ली (एजेंसी)। जरा सोचिएज् आप दुकान पर गए, 5 रुपए दिए और बिस्किट का पैकेट ले लिया। लेकिन बदले में मिला 4 रुपए 47 पैसे का पैकेट। अब दिक्कत ये है कि दुकानदार आपको बाकी के 53 पैसे लौटाए कैसे? यही हाल टॉफी, शैंपू और चिप्स के पैकेट का भी है। 2 रुपए वाला शैंपू अब 1 रुपए 77 पैसे का हो गया, और 1 रुपए की टॉफी 88 पैसे की।

सुनकर अजीब लग रहा है ना? लेकिन ये सब खेल शुरू हुआ है जीएसटी की नई दरों से। चीजें थोड़ी सस्ती हुई, ग्राहक को राहत भी मिली। लेकिन खड़ी हो गई नई परेशानी। अब सवाल है कि बाकी के पैसे का क्या होगा? ये बचत है या सिरदर्द? अब लेनदेन कैसे होगा? तो इसे लेकर कंपनियों की अलग-अलग राय है। जीएसटी की नई दरों का असर सबसे ज्यादा 5 और 10 रुपए वाले पारले जी जैसे बिस्किट्स पर पड़ा।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

बैंक लॉकर में बदल दिया गया 4.5 करोड़ रुपए का सोना, ग्राहकों की उड़ी नींद

ग्वालियर। ग्वालियर जिले की डबरा तहसील स्थित मणप्पुरम फाइनेंस लिमिटेड की शाखा में असली सोने को बदल नकली रखने का बड़ा घोटाला सामने आया है। कंपनी की ऑडिट के दौरान पता चला कि 26 ग्राहकों का 4 किलो 380 ग्राम असली सोना बदलकर नकली रख दिया गया। गायब सोने की कीमत करीब साढ़े चार करोड़ रुपए आंकी गई है।

मामले का ऐसे हुआ खुलासा

इस पूरे मामले का खुलासा तब हुआ जब एक ग्राहक अपना सोना लेने पहुंचा। जांच में पता चला कि उसका सोना नकली था इसके बाद कंपनी ने आठ लॉकरों की जांच की तो इस तरह 26 पैकेज नकली पाये गए। घटना की जानकारी मिलते ही विजिलेंस अधिकारी मौके पर पहुंचे

और जांच की। कंपनी सोने को गिरवी रखकर गोल्ड लोन देने का काम करती है। करोड़ों का सोना गायब

जानकारी के अनुसार मणप्पुरम फाइनेंस कंपनी में करोड़ों का सोना गायब होने की घटना सामने आने के बाद हड़कंप मच गया। जब कोई व्यक्ति फाइनेंस कंपनी में गोल्ड लोन लेने के लिए जाता है तो उनका एक सुनार जेवरों की गुणवत्ता चेक करता है, उसी के आधार पर उसकी कटौती कर रेट तय कर ब्याज के रूप में रकम दी जाती है। सोने को पॉलीथिन में पैक कर सील लगाई जाती है, जिसे बाद में मैनेजर और असिस्टेंट मैनेजर मिलकर लाकर में रखते हैं। शाखा में असिस्टेंट मैनेजर विकास शर्मा और मैनेजर चंद्रभान कुशवाहा पदस्थ हैं जिनसे पुलिस पूछताछ कर रही है।

ऑफिस पहुंचे जिन लोगों के सोने के पैकेट बदले गए हैं वे घबराए हुए हैं। मेहनत की कमाई से बनवाए जेवरों को गिरवी रखकर लोन लिया और फाइनेंस कंपनी के लाकर से ही सोना बदल दिया गया। पीड़ित लोगों में आक्रोश है और कड़ी कार्रवाई पर सोना वापस कराने की मांग कर रहे हैं। वहीं कई लोग ऐसे भी पहुंचे जो अपने सोने की जांच करने गए। वहीं पुलिस के अनुसार कंपनी के अधिकारियों ने शिकायती आवेदन दिया है जांच की जा रही है।

नींद की गोलियां न देने पर मेडिकल स्टोर संचालक को पीटा, बिना डॉक्टरी पर्चे के मांग रहा था

सबलगढ़। सबलगढ़ कस्बे में मीठा कुआं के पास विनोद कुमार गोयल की मेडिकल स्टोर है। गुरुवार की रात साढ़े नौ बजे नींद की गोली युवक को न देने पर तीन युवकों ने उनकी दुकान में घुसकर मारपीट कर दी। यह वारदात सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई है।

पुलिस ने तीन आरोपितों पर शुक्रवार को मामला दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक जयपुरिया बाग निवासी विनोद कुमार गोयल अपने मेडिकल स्टोर पर बैठे हुए थे।

इसी बीच रात में एक युवक आया और नींद की गोली मांगने लगा। जिस पर विनोद ने डॉक्टर का पर्चा बिना गोलियां देने से मना कर दिया। इसी बात पर युवक गाली गलौज करते हुए चला गया।

इसके बाद तीन युवक कल्लू कुशवाह, अजय श्रीवास व मोनू उपाध्याय निवासी आरा मशीन के पास आए और आते ही विनोद गोयल की मेडिकल स्टोर में घुसकर मारपीट कर दी। जिससे उन्हें चोटें आईं। ह्यपुलिस ने विनोद कुमार गोयल की फरियाद पर आरोपित कल्लू कुशवाह, अजय श्रीवास व मोनू उपाध्याय के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

प्रदेश में सभी क्रिमिनल कोर्ट की लाइव स्ट्रीमिंग पर रोक बरकरार, 29 अक्टूबर को होगी अगली सुनवाई

जबलपुर। हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा व न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ के समक्ष गुरुवार को लाइव स्ट्रीमिंग के वीडियो के दुरुपयोग को चुनौती के मामले में सुनवाई हुई। मेटा कंपनी की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी वर्चुअल पैरवी की। उन्होंने माना कि इंटरनेट मीडिया के कई प्लेटफार्म्स पर हाई कोर्ट प्रकरणों की सुनवाई के वीडियो का दुरुपयोग हो रहा है। उन्होंने कहा कि यदि उन्हें आपत्तिजनक वीडियो के यूआरएल लिंक उपलब्ध करा दिए जाएं तो उन वीडियो को हटा दिया जाएगा।

29 अक्टूबर को होगी अगली सुनवाई

हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता को उक्त लिंक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कोर्ट ने अंतरिम आदेश के तहत सभी क्रिमिनल कोर्ट की लाइव स्ट्रीमिंग पर रोक अगली सुनवाई तक बरकरार रखी है। मामले की अगली सुनवाई 29 अक्टूबर को होगी।कोर्ट की बातों को मिर्च मसाला लगाकर करते हैं वायरल

जबलपुर निवासी अधिवक्ता अरिहंत तिवारी और विदित शाह ने याचिका दायर कर बताया कि मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की लाइव स्ट्रीमिंग के वीडियो यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर मीम्स या शार्ट्स के माध्यम से डाली जाती है। यह आपत्तिजनक है। कई बार न्यायाधीशों द्वारा ओपन कोर्ट में कही बातों को मिर्च मसाला लगाकर उन्हें वायरल किया जाता है। यह अदालत की अवमानना है।गतिविधियों की मानिटरिंग करें आईटी

याचिका में मांग की गई कि यूट्यूब के स्थान पर वेबेक्स आधारित प्लेटफॉर्म के जरिए प्रकरणों की लाइव स्ट्रीमिंग की जाए, जो कि कुछ हद तक सुरक्षित है। यह मांग भी की गई कि रजिस्ट्रार आईटी भी इस तरह की गतिविधियों पर मानिटरिंग करें और नियंत्रण सुनिश्चित करें।

प्रदेश में एक-दो दिनों के भीतर जारी हो जाएगी नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता, दो महीने से ज्यादा की हुई देरी

भोपाल। मध्य प्रदेश के नर्सिंग कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया एक सप्ताह के भीतर प्रारंभ हो जाएगी। इसके पहले एक-दो दिन के भीतर नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता जारी करने की तैयारी है। लगभग दो सौ कॉलेजों को मान्यता मिलने के आसार हैं। इनमें 20 हजार से अधिक सीटें हो सकती हैं। इंडियन नर्सिंग काउंसिल द्वारा निर्धारित कैलेंडर के अनुसार 30 सितंबर तक कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया पूरी हो जानी थी, पर निरीक्षण में देरी के चलते अभी तक मान्यता ही जारी नहीं हो पाई है। निर्धारित तारीख के बाद प्रवेश के लिए राज्य सरकार को विशेष अनुमति लेनी होगी।

मप्र नर्सिंग काउंसिल के कैलेंडर के अनुसार 14 जुलाई तक कालेजों का निरीक्षण पूरा हो जाना था। इसके बाद मान्यता जारी होनी थी। नए और पुराने मिलाकर 172 कॉलेजों ने मान्यता के लिए आवेदन किया था, जिनका निरीक्षण होना था। प्रदेश भर में नर्सिंग फर्जीवाड़ा सामने आने के बाद पहली बार निरीक्षण कराने की जिम्मेदारी कलेक्टरों को दी गई थी, पर उन्होंने रुचि नहीं ली। स्वास्थ्य आयुक्त के बार-बार पत्र लिखने के बाद अब जाकर निरीक्षण पूरा हो पाया है। अब इस रिपोर्ट के आधार पर मान्यता जारी की जाएगी। फर्जीवाड़े के चलते मामला हाई कोर्ट में विचाराधीन होने के कारण दो वर्ष से नए कॉलेज नहीं खुले थे। इस वर्ष कुछ नए कॉलेजों को भी मान्यता मिलेगी। इन 172 कॉलेजों के अतिरिक्त सीबीआई ने जिन कॉलेजों को अपनी जांच रिपोर्ट में उपयुक्त बताया था, उन्हें बिना निरीक्षण ही नवीनीकरण की मान्यता मिल जाएगी।

देरी से विद्यार्थियों को यह नुकसान-बीएससी नर्सिंग और डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए कर्मचारी चयन मंडल से प्रवेश परीक्षा आयोजित होने के बाद परीक्षा परिणाम जारी किए जा चुके हैं। अभ्यर्थी लगभग दो माह से काउंसलिंग प्रारंभ होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। मध्य प्रदेश के पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश के नर्सिंग कॉलेजों में प्रवेश की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।

राजस्थान में सहित अन्य राज्यों में या तो पूरी हो गई है या अंतिम चरण में है। ऐसे में मध्य प्रदेश के जिन अभ्यर्थियों को यहां के कॉलेजों में प्रवेश नहीं मिल पाएगा वे दूसरे राज्यों में भी प्रवेश नहीं ले पाएंगे। दूसरा नुकसान यह है कि प्रवेश में देरी होने से विद्यार्थियों का पूरा सत्र देर हो जाएगा।

जल्द काउंसलिंग शुरू कराने की तैयारी-नर्सिंग कॉलेजों में प्रवेश के लिए जल्दी ही काउंसलिंग शुरू कराने की तैयारी है। एक-दो दिनों में कॉलेजों की मान्यता जारी हो जाएगी। - मनोज सरयाम, संचालक (नर्सिंग), लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग।

मानसून में इस बार जमकर बरसा पानी, जुलाई में टूटा रिकॉर्ड, बस होने वाली है विदाई

ग्वालियर। मानसून संभवत आगामी 24 से 48 घंटे में अंचल से विदा हो जाएगा। लेकिन इस बार मानसूनी सीजन में वर्षा ने सौ साल से पुराने रिकॉर्ड तोड़े हैं। खास बात यह है भी कि इस बार वर्षा का ट्रेंड भी बदला है। इससे अंचल में बहुत सारी चीजों में बदलाव आया है और आगामी समय में यह बदलाव दिखाई देगा। एक जून से 30 सितंबर तक यानि 122 दिनों के सीजन में पिछले साल की तुलना में इस बार अधिक दिन बरसात हुई है। 2024 में जहां 63 दिन बरसात हुई थी वहीं इस बार 72 दिन हुई। लेकिन इस बार पानी अधिक वर्षा।

खास बात रही कि इस बार शहरी क्षेत्र में सबसे अधिक वर्षा 1414.4 मिमी हुई। वहीं ग्रामीण क्षेत्र के डबरा क्षेत्र में हुई 1200.6 मिमी दर्ज की गई। जबकि पूरे जिले की वर्षा का औसत 751.2 है और शहर की वर्षा का औसत 700 मिमी है। इस बार बदला वर्षा ने ट्रेंड

पिछले कुछ सालों से वर्षा का ट्रेंड मानसून के आगमन के बाद जून में बहुत कम, जुलाई व अगस्त में अधिक व सितंबर में फिर कम रहता था। लेकिन 2024 में जुलाई, अगस्त के साथ सितंबर भी ठीक-ठाक वर्षा हुई। लेकिन इस बार सर्वाधिक बरसा जून व जुलाई महीने में ही हो गई। अगस्त व सितंबर में कम वर्षा हुई।

संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने ओंकारेश्वर में सिंहस्थ-2028 के लिए स्वीकृत विकास कार्यों की समीक्षा की

ओंकारेश्वर में सिंहस्थ से पूर्व तैयार होंगे आठ महत्वपूर्ण घाट

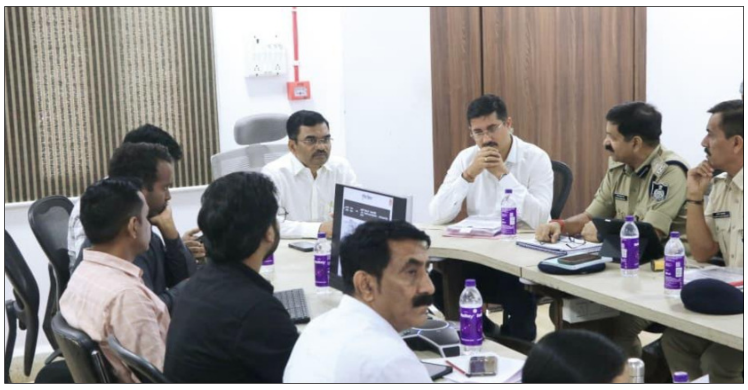

इंदौर। संभागायुक्त इंदौर संभाग डॉ. सुदाम खाड़े ने आज ओंकारेश्वर में सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के मद्देनजर एक अहम बैठक में अधिकारियों को क्राउड मैनेजमेंट की दृष्टिकोण से प्रस्तावित विकास कार्यों को समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने मध्यप्रदेश शासन द्वारा स्वीकृत विकास कार्यों से संबंधित विभागों के अधिकारियों से कहा कि जो भी विकास कार्य स्वीकृत हुए है, उनका निर्माण ऐसा हो जो सिंहस्थ के दौरान क्राउड मैनेजमेंट में सहयोगी हो। उज्जैन में आयोजित होने वाले सिंहस्थ में देश-विदेश के श्रृद्धालु औंकारेश्वर के ज्योर्तिलिंग ममलेश्वर के दर्शनों का भी लाभ लेने पहुँचते हैं। इसलिए विकास कार्य और अधिक आवश्यक हो गए हैं। बैठक में लोक निर्माण विभाग, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण, पर्यटन निगम, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, पुलिस विभाग और सेतु विकास निगम व विद्युत वितरण कंपनी सहित सात प्रमुख विभागों ने प्रस्तावित विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत की। बैठक में खंडवा कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता, पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार राय, जिला पंचायत के सीईओ डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा, एसडीएम पुनासा श्री शिवम प्रजापति और जनपद सीईओ डॉ. श्रीकृष्णा सुशिर और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री राजेश रघुवंशी सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

श्रृद्धालुओं के लिए पेयजल, प्रतीक्षालय और अस्थाई शौचालय सहित चिकित्सा व्यवस्था सुगम हो- संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने अधिकारियों से बैठक में कहा कि औंकारेश्वर न सिर्फ ज्योर्तिलिंग के दर्शनों के लिए बल्कि पर्यटन की दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण बन गया है। इसलिए यहां सिंहस्थ से पूर्व पेयजल व्यवस्था के अलावा यात्री प्रतीक्षालय, अस्थाई शौचालय, अस्थाई चिकित्सालय, नर्मदा घाटों का सौंदर्यीकरण उन्नत स्तर का होना चाहिए। अगर अभी भी किसी कार्य की कमी हो जैसे अतिरिक्त पहुंच मार्ग और अतिरिक्त पुल निर्माण के प्रस्ताव तैयार कर वरिष्ठ कार्यालयों से स्वीकृत करा लें। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री राय ने बताया कि सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए मांधाता थाना परिसर में इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर स्वीकृत किया गया है। इसके अलावा मांधाता थाना परिसर में पुलिसकर्मियों के लिए बैरक-आवास भी निर्मित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पुलिस अधिकारियों की ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट भी कोठी में सिंहस्थ मत से प्रस्तावित है। संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने निर्देश दिए कि मोरटक्का से ओंकारेश्वर आने वाले मार्ग पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बड़े-बड़े आकार के टेंट लगाकर अस्थाई यात्री प्रतीक्षालय बनाकर वहां पेयजल और अस्थाई शौचालय की व्यवस्था करने की कार्य योजना तैयार करें।

नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए ओंकारेश्वर के आसपास कुल 8 घाटों पर विकास कार्य और घाटों के उन्नयन के कार्य स्वीकृत हुए हैं। इनमें खेड़ी घाट, गोमुख घाट, नागर घाट, नवीन घाट, संगम घाट, ब्रह्मपुरी घाट, नावघाट शामिल हैं। कमिश्नर डॉ. खाड़े ने प्रत्येक घाट पर श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग एंट्री और एग्जिट मार्ग की व्यवस्था रखने के निर्देश दिए। विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि मोरटक्का से ओंकारेश्वर तक विद्युत लाइन और फीडर विस्तार का कार्य स्वीकृत हुआ है, ताकि सिंहस्थ के दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। नगर परिषद के अधिकारियों ने बताया कि ओंकारेश्वर के शहर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सीसी रोड निर्मित किए जाना हैं। इसके साथ ही नगर परिषद द्वारा ओंकारेश्वर में सर्व सुविधायुक्त मेला क्षेत्र तैयार कराया जाएगा। पर्यटन निगम के अधिकारियों ने बैठक में बताया कि सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए शंकराचार्य गुफा के संरक्षण का कार्य तथा परिक्रमा पथ पर विकास कार्य स्वीकृत किए गये हैं। इसके अलावा पर्यटन विकास निगम द्वारा ममलेश्वर मंदिर में प्रस्तावित विकास कार्यों के संबंध में भी पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन भी प्रस्तुत किया गया।

संभागीय श्रमिक खेलकूद प्रतियोगिता सेज विश्वविद्यालय इंदौर में 27 सितम्बर को आयोजित होगी

इंदौर। मध्यप्रदेश श्रम कल्याण मण्डल भोपाल द्वारा श्रमिकों की खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष आयोजित की जाने वाली श्रमिक खेलकूद प्रतियोगिता 27 सितम्बर को सुबह 8 बजे से बायपास राऊ, इंदौर स्थित सेज विश्वविद्यालय में आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता का उद्घाटन जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट करेंगे। मण्डल के कल्याण निरीक्षक/क्षेत्रीय अधिकारी श्री बृजेन्द्र शर्मा द्वारा बताया कि उक्त प्रतियोगिता में इंदौर संभाग के कारखानों/स्थापनाओं में कार्यरत लगभग 800 श्रमिक खिलाड़ी इसमें भाग लेंगे। प्रतियोगिता की अध्यक्षता म.प्र. राज्य सफाई कर्मचारी आयोग (कैबिनेट मंत्री) श्री प्रताप करोसिया करेंगे। समारोह के विशिष्ट अतिथि ए.आई.एम.पी (एसोसिएशन ऑफ इण्डस्ट्रीज म.प्र.) के अध्यक्ष श्री योगेश मेहता, अध्यक्ष श्री श्यामसुन्दर यादव म.प्र. इंटक, श्री अतुल खण्डेलवाल सदस्य म.प्र. श्रम कल्याण मंडल एवं अध्यक्ष पीथमपुर उद्योग संचालक संगठन (पास) श्री सरोज कुमार सिंह होंगे।

देवी के जयकारों की गूंज उठ रही आयोजन स्थल से... धर्ममय हो रहा वातावरण

इंदौर। इंदौर में चल रहे 'अति विशाल नवरात्रि महामहोत्सव' में गुरुवार को चौथे दिन भी भक्तों का उत्साह देखते ही बना। भक्तों ने सुबह विशेष साधना के बाद महायज्ञ और फिर देवी भागवत कथा का श्रवण किया। इस धार्मिक आयोजन में आचार्य श्री का आशीर्वाद लेने के लिए हर दिन आम जन और भक्तों के अलावा जनप्रतिनिधि भी पहुंच रहे हैं।

ये भव्य और अद्वितीय धार्मिक आयोजन 2 अक्टूबर तक वीआईपी परस्पर नगर में कृष्णगिरी पीठाधीश्वर, पूज्यपाद जगतगुरु श्री श्री 1008 आचार्य वसंत विजयानंद गिरिजी महाराज के सानिध्य में हो रहा है। हजारों भक्त पहले दिन से कथा श्रवण और महायज्ञ का लाभ ले रहे हैं। नवरात्रि के चौथे दिन माँ कूष्मांडा की पूजा-अर्चना की गई। माँ कूष्मांडा को सृष्टि की आदिशक्ति कहा जाता है। उनकी दिव्य मुस्कान से ही सम्पूर्ण ब्रह्माण की रचना हुई। देवी भागवत कथा में भी मां का वर्णन किया गया। आचार्य श्री ने बताया कि मां कूष्मांडा की उपासना से साधक को दीर्घायु, स्वास्थ्य और अपार ऊर्जा का लाभ मिलता है। मां का स्मरण जीवन में अंधकार दूर कर, प्रकाश और आनंद भर देता है। मां की कृपा से साधक की सभी बाधाएं दूर होती है और कार्य सफल होते हैं। भक्तों ने कथा श्रवण के दौरान देवी के जयकारे लगाए, जिसकी गूंज दूर तक सुनाई दी और आसपास का वातावरण भी धर्ममय हो गया।

हजारों की संख्या में यहां आ रहे भक्तों को मां पद्मावती के मंदिर और 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन लाभ भी हो रहे हैं। काशी से आए विद्वान पंडित हर एक मंदिर में विराजे हैं। चौथे दिन भी सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक विशेष साधना के बाद काशी से आए 145 विद्वान पंडितों ने 1 करोड़ कुमकुम अर्चन में से 10 लाख कुमकुम अर्चन की आराधना की। दोपहर 3 से 6 बजे तक विशेष महायज्ञ में जाप के साथ 1 लाख विशेष आहुतियां दी गई, जिसमें देश-विदेश से आए अनुयायियों के साथ शहर और आसपास के सैकड़ों की संख्या में महिलाएं-पुरुष शामिल हुए। कृष्णगिरी पीठाधीश्वर, पूज्यपाद जगतगुरु श्री श्री 1008 आचार्य वसंत विजयानंद गिरिजी महाराज ने नवरात्रि के तीसरे दिन बुधवार को देवी भागवत कथा में भक्तों को प्रवचन में बताया कि आप जैसी सोच अपने मन में रखोगे, उसी शक्ति से जुड़ोगे। नकारात्मक बोलोगे, तो नकारात्मक तरंगें आपकी तरफ आकर्षित होंगी। इसलिए, सब अच्छा ही बोलो, तो सब अच्छा ही होगा और सुख ही सुख होगा, क्योंकि हम जो बोलते हैं, वही हमारी तरफ आकर्षित होता है।

स्वच्छता श्रमदान गतिविधि – एक दिन, एक घंटा, एक साथ

इंदौर। स्वच्छता श्रमदान गतिविधि - एक दिन, एक घंटा, एक साथ÷ राष्ट्रव्यापी पहल के तहत भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के अंतर्गत भारत पर्यटन इंदौर ने आज एक स्वच्छता अभियान का आयोजन किया। यह कार्यक्रम केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 2 बीएसएफ इंदौर के युवा पर्यटन क्लब के सदस्यों के सहयोग से आयोजित किया गया।

केंद्रीय विद्यालय के छात्रों ने स्वच्छता गतिविधि/सफाई अभियान में भाग लिया। शहर के एक प्रमुख पर्यटन स्थल बीजासन मठ मंदिर इंदौर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। भारत पर्यटन इंदौर के अधिकारियों और विद्यालय के शिक्षकों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस पहल का उद्देश्य पर्यटन स्थलों पर स्वच्छता और सफाई को बढ़ावा देना था, साथ ही युवा पीढ़ी में भारत की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के प्रति ज़िम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देना था।

इस कार्यक्रम में छात्रों और अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिन्होंने मिलकर मंदिर परिसर की सफाई की। इस स्वच्छता अभियान ने न केवल पर्यटन स्थल के रखरखाव में योगदान दिया, बल्कि प्रतिभागियों में स्वामित्व और गौरव की भावना भी जगाई।

स्वदेशी आह्वान के साथ आजीविका मेला प्रारम्भ

इंदौर। सेवा पखवाड़ा अभियान अंतर्गत इन्दौर में तीन दिवसीय आजीविका मेला प्रारंभ हुआ। मेले का शुभारंभ आज जिला पंचायत अध्यक्षा श्रीमती रीना सतीश मालवीय , जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री भारत पटेल द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन तथा अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संजय तिवारी भी उपस्थित रहे। ग्रामीण हाट बाजार ढक्कन वाला कुआं में आयोजित यह मेला प्रतिदिन 27 सितंबर तक प्रातः 11 बजे से रात्रि 10 बजे तक खुला रहेगा।

अपने संबोधन जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना सतीश मालवीय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत अभियान की भावना के अनुरूप स्थानीय उत्पादकों को बाजार उपलब्ध कराने के लिए इस मेले का आयोजन किया गया है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि वे स्वदेशी उत्पादों को अपनाते हुए महिला समूहों को सहयोग प्रदान करें।

जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री पटेल द्वारा अपने उद्बोधन में स्वदेशी की भावनाओं को जागृत करते हुए इन समूह सदस्यों द्वारा की जा रही गतिविधियों की सराहना की एवं जिला पंचायत स्तर से हर संभव सहायता करने हेतु समूह सदस्यों को आश्वस्त किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन ने कहा कि स्वदेशी का यह अभियान सतत जारी रहेगा और भविष्य में इसे बड़े स्तर पर आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन जिला परियोजना प्रबंधक आजीविका मिशन श्री हिमांशु शुक्ला ने किया । मेले में महिला स्वयं सहायता समूहों के साथ-साथ शहरी आजीविका मिशन, कृषि विभाग, खादी ग्रामोद्योग बोर्ड एवं स्थानीय विक्रेताओं द्वारा टेराकोटा, मिट्टी व गोबर से बने उत्पाद, चूड़ी, साड़ी, मसाले, डिजाइनर बैग, खाद्य सामग्री एवं जैविक उत्पाद प्रदर्शित व विक्रय किए जा रहे हैं जो आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित मेला महिला स्व सहायता समूह को नई प्रेरणा देगा। अधिक से अधिक शहर वासियों को इस मेले में प्रतिभाग कर महिला समूह द्वारा उत्पादित सामग्री क्रय करने हेतु आह्वान किया गया है।

शिविरों के माध्यम से करियर काउंसलिंग एवं भविष्य की योजनाओं के संबंध में दी जानकारी

इंदौर। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में युवाओं के लिए शिक्षा एवं रोजगार के क्षेत्र में लगातार मार्गदर्शन शिविरों का संचालन किया जा रहा है। बुधवार को जिला रोजगार कार्यालय द्वारा ऐसे ही एक शिविर का आयोजन बड़ा गणपति शासकीय हाई सेकेण्डरी स्कूल में किया गया। जिला रोजगार कार्यालय विभाग के उप संचालक श्री पी.एस. मंडलोई ने बताया कि जिला रोजगार विभाग के द्वारा काउंसलिंग और मार्गदर्शन व काउंसलर तथा विषय विशेषज्ञों की टीम द्वारा गत दिवसों में जिले के विभिन्न शासकीय स्कूलों में शिविर आयोजित किए गए। विगत दिनों शासकीय शारदा कन्या हायर सेकेण्डरी स्कूल बड़ा गणपति इंदौर और 23 सितम्बर को हायर सेकेण्डरी मल्हार आश्रम एवं 24 सितम्बर को शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल अहिल्या आश्रम इंदौर के अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के भविष्य निर्माण में सहयोग के लिए करियर एवं व्यावसायिक मार्गदर्शन दिया गया। साथ ही छात्र-छात्राओं को बेहतर विषय चुनने में मदद मिले। इस संबंध में टीम के काउंसलर एवं विषय विशेषज्ञ डॉ. धीरज हासिजा, सुश्री प्रियंका तिवारी एवं डॉ. राकेश उपाध्याय, श्री जितेन्द्र पांचाल, श्री विजेंद्र सोगानी, श्री महेश गौड़ ने करियर काउंसिलिंग एवं भविष्य की करियर योजनाओं के बारे में जानकारी दी। इन सभी ने मार्गदर्शन/वार्ता के माध्यम से शासन की स्वरोजगार और करियर योजनाओं से भी अवगत कराया गया।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

कलेक्टर श्री सिंह की अध्यक्षता में बैंकों की डीसीसी/डीएलआरसी की बैठक संपन्न

उज्जैन । कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्टर कार्यालय के सभागृह में बैंकों की प्रथम तिमाही जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति [डीसीसी,डीएलआरसी] की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री बृजेश पटेल एवं आरबीआई एलडीओं श्री राम नागर भी उपस्थित थे।

बैठक में शासन की शासकीय योजनाओं के विषय में समीक्षा की गई। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना,प्रधानमंत्री मुद्रा, प्रधानमंत्री आवास शहरी 2.0, प्रधानमंत्री खाद्य प्रसंस्करण योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना,केसीसी मछली पालन, केसीसी पशुपालन योजना, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, संत रविदास स्वरोजगार योजना

,डॉ.भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना, भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना,टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना,आजीविका मिशन स्वयं सहायता समूह , डे एनयूएलएम आदि विभिन्न योजनाओं पर चर्चा की गई।

कलेक्टर श्री सिंह द्वारा बैंकर्स से सभी जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत उन्हें प्रदान किए गए लक्ष्यों को शीघ्र प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए गए। साथ ही स्वरोजगार योजनाओं के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों के ऋण आवेदनों का निराकरण तेज गति से करने के निर्देश दिए गए। अतिरिक्त जिला पंचायत सीईओ श्री बृजेश पटेल द्वारा माह दिसंबर में सभी शासकीय योजना के लक्ष्य को शत प्रतिशत प्राप्त करने हेतु निर्देशित किया गया ।

इसी क्रम में श्री राम नागर द्वारा सभी शासकीय योजनाओं व सामाजिक सुरक्षा अभियान, वित्तीय साक्षरता पर विशेष ध्यान दिए जाने ,साथ ही सभी ऋण लक्ष्यों को प्राप्त करने के निर्देश दिए गए। डीडीएम नाबार्ड द्वारा एआईएफ योजना के अंतर्गत जानकारी प्रदान की गई।

अग्रणी जिला प्रबंधक श्री बलराम बैरागी ने सभी सरकारी योजनाओं के लक्ष्यों को पूर्ण कर खाताधारकों को जीवन ज्योति बीमा योजना, सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना का लाभ प्रदान किए जाने व सभी हितग्राहियों को अप्रिय घटना होने पर उक्त सभी बीमा योजनाओं का त्वरित लाभ मिल सके।

शरद पूर्णिमा के पावन पर्व पर षोडश कलायुक्त चन्द्रमा की अमृत वर्षा करेगी दमा रोग की चिकित्सा

उज्जैन। शरद पूर्णिमा की चांदनी रात में होगी अमृत वर्षा। इसी के साथ दमा रोग की चिकित्सा की जाएगी। इंदिरा नगर सहयोगी मित्र मंडल एवं डॉ. प्रकाश जोशी के सौजन्य से शरद पूर्णिमा के पावन पर्व पर दमा रोगियों के लिए निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। 6 अक्टूबर सायंकाल 5ः30 बजे से इंदिरानगर 172 एलआइजी सेकंड पर आयोजित होगा। शिविर संयोजक डॉ. प्रकाश जोशी ने बताया चिकित्सा शिविर की विशेषता है रोगी को रात भर शिविर स्थल पर रात्रि जागरण अनिवार्य है। बाल भक्त हनुमान मंडल द्वारा रात्रि 8 बजे से सुंदर काण्ड पारायण आयोजित किया जाएगा। प्रातः ब्रह्म मुहूर्त में 4 बजे औषधि युक्त खीर का वितरण किया जाएगा। औषधि खीर पाचन के लिए 100 से 500 मीटर पैदल चलना अनिवार्य है। तत्पश्चात प्रातः 6 बजे से कर्ण वेधन चिकित्सा प्रारंभ की जाती है। कर्ण वेधन के पश्चात भूख लगने पर एक दिन मूली के पत्तों की सब्जी और रोटी खाना अनिवार्य है तथा 15 दिन तक मूंग की दाल रोटी लेना अनिवार्य है। गुड़, तेल, खटाई का परहेज तीन माह तक करें। आयुर्वेद का मूल सिद्धांत स्वस्थ पुरुष के स्वास्थ्य की रक्षा करना और रोगी पुरुष के रोग को दूर करना है। लगातार 28वां चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

इस शिविर में अब तक गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान एवं अन्य प्रदेश के रोगी चिकित्सा सेवा का लाभ ले चुके हैं। असुविधा से बचने के लिए उपचार पूर्व रोगी अपना पंजीयन 62610 10149अपना पंजीयन करा सकते हैं। चिकित्सा शिविर को सफल बनाने के लिए आयुर्वेद महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं, प्राध्यापकगण, शिविर संयोजक, रचना शारीर पीजी विभाग छात्र-छात्राएं , प्रतिमा जोशी, लक्की राय, हरिओम राय, एडवोकेट पुरुषोत्तम राय, वीरेंद्र सिंह परिहार, ललित नागर, देवेंद्र मेहता, अवनीश नगर, मनोज बंसल, यदु बंसल, गोल्डी कपूर एवं रचना शारीर पीजी विभाग के पीजी स्कॉलर ने चिकित्सा शिविर को सफल बनाने के लिए आम जनता से अपील की है कि उक्त चिकित्सा शिविर का अधिक से अधिक लाभ लें।

उज्जैन में शीघ्र स्थापित हो आयुर्वेदिक एम्स

उज्जैन। संस्था सजग उज्जैन के महासचिव सन्तोष सुपेकर ने केंद्रीय आयुष मंत्री सर्वानंद सोनोवाल को पत्र लिखकर उज्जैन के आयुर्वेदिक महाविद्यालय को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (ए.आई.आई.ए.एस.) में शीघ्र अपग्रेड करने की मांग की है। पत्र में कहा गया है कि 57 वर्ष पूर्व स्थापित इस कॉलेज के अस्पताल में दूर -दूर से आए निराश रोगी इलाज कराने आते हैं और ठीक होकर लौटते हैं। आने वाले दिनों में यहाँ घुटनों का उपचार भी प्रारम्भ होगा जिससे नि रिप्लेसमेंट की जरूरत कम होगी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव और सांसद अनिल फिरोजिया के प्रयासों से उज्जैन के उक्त कॉलेज को आयुर्वेदिक एम्स में तब्दील करने के निर्णय पर सिद्धांततः सहमति बनी थी।

निरव शाह बने - अखिल भारत गुजराती समाज मे राष्ट्रीय कार्य कारिणी में कमेटी मेंबर

उज्जैन। अखिल भारत गुजराती समाज की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक भोपाल गुजराती समाज भवन में अध्यक्ष संजय भाई पटेल की अध्यक्षता में हुई। इस अवसर पर अध्यक्ष ने भारत के सभी गुजराती समाज की एक छत के नीचे लाने का प्रस्ताव दिया - सभी को अखिल भारत गुजराती समाज के साथ जोड़कर, गुजरात सरकार के ऐन आर जी (नॉन रेसिडेंशल गुजराती) विभाग के साथ जोड़कर समाज हित मे कार्य किया जाएगा। अखिल भारत गुजराती समाज के संरक्षक गुजरात के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र भाई पटेल हैं - कार्यकारणी की साल में 2 बैठक भारत के विभिन्न प्रान्तों में होगी। समारोह मे राष्ट्रीय सचिव नीलेश भाई शाह ने नए सदस्यों और कमेटी के कार्यो की विस्तृत जानकारी दी। गुजराती समाज के युवा डायरेक्टर निरव शाह को अखिल भारत गुजराती समाज मे राष्ट्रीय कार्यकारिणी में सदस्य (कमेटी मेंबर) के रूप में नियुक्त किया गया। निरव शाह ने कहा समाज की उन्नति के लिए एकजुटता, व्यवहार में स्वच्छता एवं पारदर्शिता हो। कोषाध्यक्ष मनोज भाई झा ने लेखा जोखा प्रस्तुत किया।

श्री औदीच्य ब्राह्मण समाज, श्री अवंतिका संस्कार परिवार का गरबा महोत्सव आज से

माँ दुर्गा के विविध स्वरूपों की आराधना के साथ होंगे सांस्कृतिक गरबा नृत्य

उज्जैन। श्री औदीच्य ब्राह्मण समाज एवं श्री अवंतिका संस्कार परिवार उज्जैन द्वारा इस वर्ष षष्ठम शारदीय नवरात्रि गरबा महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 27 सितम्बर शनिवार एवं 28 सितम्बर रविवार को शाम 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक मनोहर वातावरण में मनोरमा गार्डन, अरविंद नगर, कोयला फाटक, आगर रोड, उज्जैन पर सम्पन्न होगा।

संयोजक सतीश पटेल ने बताया कि दो दिवसीय इस गरबा महोत्सव में माँ दुर्गा के विविध स्वरूपों की आराधना एवं सांस्कृतिक गरबा नृत्य की विशेष प्रस्तुति रहेगी। आयोजन समिति का कहना है कि इस पावन अवसर पर समाज-जन की सहभागिता महोत्सव की गरिमा को और अधिक बढ़ाएगी। आयोजकों ने समाज-जन से आग्रह किया है कि वे सपरिवार पधारकर माँ अम्बे की भक्ति, गरबा नृत्य और सांस्कृतिक उत्सव का आनंद लें। साथ ही, सभी से अनुरोध किया गया है कि वे पारम्परिक वेश-भूषा में ही सम्मिलित होकर आयोजन की परंपरा एवं संस्कृति को बनाए रखें।

श्री अग्रवाल नवयुवक मंडल ने की सेवाधाम पर सेवा

उज्जैन। श्री अग्रवाल नवयुवक मंडल द्वारा प्रथम कार्यक्रम के रूप में सुधीर भाई गोयल दारा संचालित सेवाधाम आश्रम, उज्जैन पर सेवा कार्य किए गए।

नवीन अध्यक्ष इंद्रेश अग्रवाल एवं आयुष जयकिशन अग्रवाल ने बताया की महाराजा अग्रसेन जी एवं सतगुरुदेव का पूजन कर आश्रम में मंडल द्वारा गेहु एवं बिस्किट आदि वितरित की गई। दीपेश अग्रवाल एवं महेश अग्रवाल फ़िल्म ने बताया कि आश्रम संचालक सुधीर भाई गोयल का आशीर्वाद प्राप्त कर नवनियुक्त अध्यक्ष ने साल भर समाज हित में कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मंडल के श्लोक अग्रवाल, वंश अग्रवाल, नवीन गर्ग, नवीन गुप्ता, मोनिल अग्रवाल, कृष्ण अग्रवाल, प्रखर गोयल आदि ने कई कार्यकर्ता सहित वृक्षारोपन, गौसेवा एवं सेवा कार्य संपन्न किए। आभार श्लोक अग्रवाल ने माना।

प्राध्यापकों, विद्यार्थियों का किया रक्त परीक्षण

उज्जैन। सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय तथा रेडक्रास सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में सेवा पखवाड़ा के अन्तर्गत रक्त-परीक्षण हीमोग्लोबिन की जाँच शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सिद्धि इण्टर प्राइजेस के भूषण नाईक आमंत्रित थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में कल्याण शिवहरे भारतीय जनता पार्टी के नगर जिला उपाध्यक्ष उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रेडक्रास सोसायटी के प्रभारी सचिव अनुराग जैन ने की। अतिथियों का स्वागत प्राचार्य एकता इंगले, राधेश्याम शर्मा एवं हर्षा शर्मा ने किया। भूषण नाईक ने अपने वक्तव्य में स्वस्थ रहने के लिए संतुलित एवं पोषक आहार ग्रहण करने को प्रेरित किया। श्री शिवहरे ने रक्तदान महादान के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में सरस्वती शिशु मन्दिर के प्राध्यापक तथा सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक तथा प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे। रक्त परीक्षण शिविर में सभी प्राध्यापकों तथा विद्यार्थियों का रक्त-परीक्षण (हीमोग्लोबिन की जाँच) किया गया। कार्यक्रम का संचालन तथा आभार डॉ. पवित्रा शाह ने माना।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com